मनेन्द्रगढ़
21 सितम्बर 2025 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

सीपीएल 2025:
@ पेज 7

बर्खास्त आईएस पूजा खेडकर का फैमिली बॉडीगार्ड अरेस्ट, माता-पिता फरार

पुणे,एजेंसी। बर्खास्त IAS अधिकारी पूजा खेडकर के परिवार के बॉडीगार्ड प्रफुल सालुंखे को नवी मुंबई पुलिस ने शनिवार को धुले से गिरफ्तार किया है। पूजा के पिता दिलीप और मां मनोरमा फरार हैं। इन तीनों पर एक ट्रक हेल्पर के अपहरण और मारपीट करने का आरोप है।

इससे पहले 15 सितंबर को जब पुलिस हेल्पर के अपहरण मामले में खेडकर के घर पहुंची थी तो मनोरमा खेडकर ने पुलिस से बदसलूकी की और उन पर कुत्ता छोड़ दिया था। हालांकि, पुलिस ने हेल्पर को छुड़ा लिया था।

इस दौरान दिलीप व मनोरमा ने अगले दिन थाने आने का वादा किया था, लेकिन दोनों SUV समेत फरार हो गए थे। पुलिस ने मनोरमा पर सरकारी काम में बाधा डालने, सबूत नष्ट करने और आरोपी को बचाने का मामला दर्ज किया है। दरअसल, 13 सितंबर की शाम नवी मुंबई के ऐरोली में पूजा के पिता की 2 करोड़ की लैंड क्रूजर SUV की टक्कर एक सीमेंट मिक्सर ट्रक से हो गई। इसके बाद दिलीप और सालुंखे ने ट्रक हेल्पर प्रह्लाद कुमार (22) को जबरन गाड़ी में बैठाकर पुणे के बानेर इलाके में चतुर्श्रृंगी स्थित घर ले जाकर बंधक बना लिया और पिटाई भी की।

बायोगैस प्लांट दिल्ली को स्वच्छ, हरित राजधानी बनाने की दिशा में निर्णायक कदम : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के लिए 200 टीडीपी क्षमता वाले पहले बायोगैस प्लांट का उद्घाटन नंगली डेयरी में शनिवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर चल रहे सेवा पखवाड़े के अंतर्गत दिल्ली को यह ऐतिहासिक सौगात मिली है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बायोगैस प्लांट न केवल गोबर और डेयरी अपशिष्ट के प्रबंधन का स्थायी समाधान देगा बल्कि हजारों गौशालाओं और डेयरियों की समस्याओं का हल भी बनेगा। पर्यावरण स्वच्छ होगा, यमुना का प्रदूषण घटेगा और किसानों और पशुपालकों को भी सहारा मिलेगा। यह पहल प्रधानमंत्री के हरित ऊर्जा अभियान को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली को स्वच्छ, आत्मनिर्भर और हरित राजधानी बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। इस दौरान सांसद कमलजीत सहरावत, कैबिनेट मंत्री आशीष सूद, महापौर राजा इकबाल सिंह, विधायक संदीप सेहरावत समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्लांट 2018 में शुरू होकर 2025 में जाकर पूरा हुआ। केंद्र सरकार ने इस बायोगैस प्लांट के लिए 2018 में धन आवंटित किया था, लेकिन तत्कालीन आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार इसे अपने कार्यकाल में पूरा ही नहीं करा पाई। तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हर बार काम न पूरा होने का आरोप केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री मोदी पर लगाते रहे और दिल्ली के अपने कार्यकाल में कुछ नहीं किया।

मोदी बोले- दूसरे देशों पर निर्भरता हमारी सबसे बड़ी दुश्मन

यह आत्मसमान को चोट पहुंचाता है; 100 दुखों की एक दवा आत्मनिर्भर भारत

भावनगर, एजेंसी। । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि विश्व की शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत को आत्मनिर्भर बनना ही होगा। उन्होंने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आत्मनिर्भरता को सबसे बड़ा मंत्र मानना होगा।

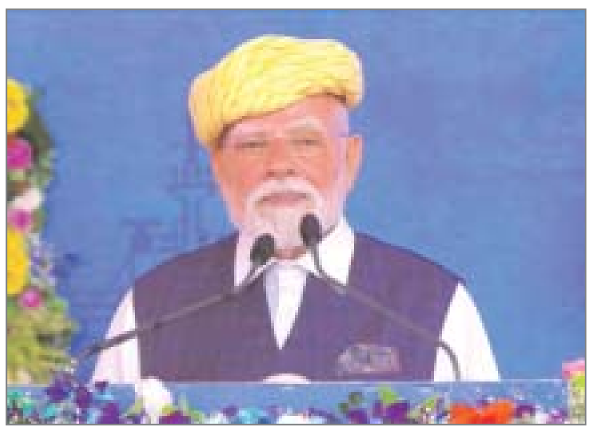

प्रधानमंत्री मोदी गुजरात के भावनगर में 'समुद्र से समृद्धि' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर 34,200 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल भावनगर का नहीं, बल्कि पूरे भारत की दिशा तय करने वाला है।

मोदी ने कहा, 140 करोड़ देशवासियों का एक ही संकल्प होना चाहिए–चिप (सेमीकंडक्टर) हो या शिप (जहाज), हमें भारत में ही बनाने होंगे। आत्मनिर्भर होने के अलावा भारत के पास कोई विकल्प नहीं है। हम दूसरों पर आश्रित रहेंगे तो हमारा आत्मसम्मान भी चोटिल होगा। भावी पीढ़ियों के भविष्य को दांव पर नहीं लगाया जा सकता।उन्होंने कहा कि आज भारत समुद्री क्षेत्र में भी नेक्स्ट जेनरेशन सुधारों की ओर बढ़ रहा है। सरकार ने बड़े जहाजों को आधारभूत संरचना का दर्जा देकर इस क्षेत्र को मजबूती देने का ऐतिहासिक कदम उठाया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया में भारत का कोई बड़ा दुश्मन नहीं है। सच्चे अर्थों में अगर हमारा कोई दुश्मन है तो वह है दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता। यही हमारी सबसे बड़ी कमजोरी है और हमें मिलकर इसे खत्म करना होगा। जितनी ज्यादा विदेशी निर्भरता, उतनी ही ज्यादा देश की विफलता।

मोदी ने जोर देकर कहा कि आत्मनिर्भर भारत ही सभी समस्याओं का समाधान है। उन्होंने कहा, सौ दुखों की एक ही दवाई है और वह है आत्मनिर्भर भारत।

कांग्रेस ने कौशल को नजरअंदाज किया

भारत में कौशल की कमी नहीं है, लेकिन आजादी के बाद कांग्रेस ने इसे नजरअंदाज किया। छह–सात दशकों तक भारत वो सफलता हासिल नहीं कर सका जिसके हम हकदार थे। इसके दो बड़े कारण थे, लंबे समय तक कांग्रेस सरकार ने देश को लाइसेंस कोटा राज में लटकाए रखा। जब ग्लोबलाइजेशन का दौर आया तो इम्पोर्ट का रास्ता पकड़ लिया, उसमें भी करोड़ों के घोटाले कर दिए। देश के नौजवानों का बहुत नुकसान किया। इन नीतियों ने भारत की असली ताकत को सामने आने से रोक दिया। साथियों देश का कितना नुकसान हुआ, इसका उदाहरण हमारा शिपिंग सेक्टर है। भारत सदियों से एक समुद्री ताकत था। हम शिप बिल्डिंग के सेंटर हुआ करते थे।

100 साल पर विकसित भारत का सपना

भारत को अगर 2047 तक विकसित होना है तो आत्मनिर्भर होना पड़ेगा। आत्मनिर्भर होने के अलावा हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। 140 करोड़ देशवासियों को एक संकल्प लेना चाहिए कि चिप हो या शिप, हमें भारत में ही बनानी है। अब बिजनेस और कारोबार को और सरल करना है। मानसून सेशन के दौरान संसद में हमने कई पुराने कानूनों को बदला है जो अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे हैं। मैरीटाइम सेक्टर में रिफॉर्म किया है। इन कानूनों के आने से शिपिंग सेक्टर में बड़ा बदलाव आने वाला है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कांग्रेस की नीतियों पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि भारत में सामर्थ्य की कभी कोई कमी नहीं रही, लेकिन कांग्रेस ने हमेशा देश के सामर्थ्य को नजरअंदाज किया। आजादी के छह-सात दशक बाद भी भारत वह सफलता हासिल नहीं कर पाया जिसका वह हकदार था।

अमेरिका H-1B वीजा फीस बढ़ी

राहुल बोले- भारतीय पीएम कमजोर

खड़गे ने कहा- मोदी-मोदी का नारा लगवाना विदेश नीति नहीं; इससे हर भारतीय दुखी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की तरफ से H-1क्ष वीजा के लिए एप्लिकेशन फीस बढ़ाने पर राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर निशाना साधा। राहुल ने शनिवार को सोशल मीडिया X पर लिखा कि भारत के पास कमजोर प्रधानमंत्री है। राहुल ने 2017 का पोस्ट फिर से शेयर किया, उस वक्त भी उन्होंने मोदी पर आरोप लगाया था कि पीएम ने H-1B वीजा पर अमेरिका से बात नहीं की थी। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लिखा कि मोदी ने बर्थडे पर जो रिटर्न गिफ्ट दिया है उससे हर भारतीय दुखी है। राष्ट्रीय हित सबसे पहले है। गले मिलना और लोगों से मोदी-मोदी के नारे लगवाना विदेश नीति नहीं है। दरअसल, अमेरिका अब H-1B वीजा के लिए एक लाख डॉलर (करीब 88 लाख रुपए) एप्लिकेशन फीस वसूलेगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को व्हाइट हाउस में इस ऑर्डर पर साइन किए। अब तक H-1B वीजा की एप्लिकेशन फीस 1 से 6 लाख रुपए तक थी।

खड़गे ने लिखा- 70% H-1B वीजा धारक भारतीय हैं खड़गे ने आगे लिखा कि H-1B वीजा पर एक लाख डॉलर की एनुअल फीस भारतीय टेक कर्मचारियों पर सबसे ज्यादा असर डालती है, 70% H-1B वीजा धारक भारतीय हैं। भारत पर 50% टैरिफ पहले ही लगाया जा चुका है। अकेले 10 क्षेत्रों में भारत को 2.17 लाख करोड़ का नुकसान होने का अनुमान है। विदेश नीति का मतलब है हमारे राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना। भारत को सर्वोपरि रखना और समझदारी व संतुलन के साथ मित्रता को आगे बढ़ाना। इसे दिखावटी दिखावा नहीं माना जा सकता जिससे हमारी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचने का खतरा हो। गोगोई बोले- मोदी की चुप्पी देश के लिए बोझ बन गई गौरव गोगोई ने कहा, एच1-बी वीजा पर हालिया फैसले से अमेरिकी सरकार ने भारत के प्रतिभाशाली लोगों के भविष्य को चोट पहुंचाई है। मुझे आज भी पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की वो बात याद है जब अमेरिका में हमारी महिला राजदूत का अपमान किया गया था। तो पीएम ने कैसे बदला लिया। लेकिन आज मोदी की रणनीतिक चुप्पी और दिखावटी प्रचार भारत और उसके नागरिकों के राष्ट्रीय हित के लिए एक बोझ बन गया है।

राहुल बोले- मोदी ने वोट चुराकर सत्ता हासिल की,हमारे पास पुख्ता सबूत

जल्द हाइड्रोजन बम फोड़ेंगे; चुनाव आयुक्त वोट चोरों को बचा रहे

नई दिल्ली ,एजेंसी। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि उनके पास वोट चोरी के ऐसे सबूत हैं, जिन्हें वे जल्द ही सबके सामने लाएंगे। उसके बाद किसी को भी शक नहीं रहेगा कि मोदी ने वोट चोरी कर सत्ता हासिल की है। **केरल के वायनाड में राहुल ने कहा–** हमारे पास 100त्न सबूत हैं। जल्द ही हम एक 'हाइड्रोजन बम' फोड़ेंगे, जो पूरी सच्चाई देश के सामने रख देगा। यह मामला ओपन एंड शट है। हम बिना सबूत के कभी कुछ नहीं कहते। इस बार भी हमारे पास पूरे सबूत हैं। उन्होंने कहा कि पिछली प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी कांग्रेस ने वोटर लिस्ट में धांधली के उदाहरण दिए थे। महादेवपुरा और आलंद में गलत तरीके से वोट जोड़ने और काटने की घटनाएं दिखाई थीं। कांग्रेस सांसद ने कहा– मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार वोट चोरों को बचा रहे हैं। आलंद विधानसभा क्षेत्र में 6000 वोटरों के नाम काटने की कोशिश का मामला CID जांच में है। ये जांच खुद CEC की भूमिका पर सवाल उठाती है। **राहुल बोले– सच्चाई देश के सामने लाएंगे** – जब उनसे पूछा गया कि क्या उनका 'हाइड्रोजन बम' प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से जुड़ा होगा, तो राहुल ने कहा कि यह अटकलें लगाने का काम मीडिया का है, उनका काम है सच्चाई देश के सामने लाना।

भिखारी पति के खिलाफ कोर्ट पहुंची दूसरी पत्नी, गुजारा मांगा

केरल हाईकोर्ट बोला- पाल नहीं सकते तो दो-तीन शादियां यों, इस्लाम भी इसकी इजाजत नहीं देता

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। केरल हाईकोर्ट ने कहा कि वह किसी ऐसे मुस्लिम व्यक्ति की एक से ज्यादा शादियों को मंजूर नहीं कर सकता, जिसके पास पत्नियों का भरण-पोषण करने की काबिलियत ही नहीं है। कोर्ट एक मुस्लिम भिखारी की दूसरी पत्नी की याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसने पति से 10 हजार गुजारा भत्ता मांगा था। मामला पेरिंथलमन्ना का था, जिसमें 39 साल की महिला अपने अंधे पति के खिलाफ कोर्ट पहुंची थी। इससे पहले वह फैमिली कोर्ट भी गई, लेकिन कोर्ट ने यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी थी कि उसके भिखारी पति को भरण-पोषण देने का निर्देश नहीं दिया जा सकता।

हालांकि कोर्ट ने कहा कि भिखारी ने मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत दो शादियां की हैं। इसलिए राज्य सरकार इसमें दखल दे और उसकी दोनों पत्नियों की मदद करे। कोर्ट ने महिला की याचिका खारिज कर दी और ऑर्डर कॉपी समाज कल्याण विभाग को भेजे जाने का आदेश दिया है।

जस्टिस कुन्हींकृष्णन के कमेंट :मुस्लिम समुदाय में बहुविवाह की शिकार निराश्रित पत्नियों की रक्षा करना राज्य का कर्तव्य है। लोकतांत्रिक देश की सरकार का यह फर्ज है कि वह सुनिश्चित करे कि उसके नागरिक भीख न मांगें।

किसी को दूसरों के भीख के कटोरे में हाथ नहीं डालना चाहिए। यानी जो व्यक्ति भिक्षा पर जिंदा रहता है, उसे दूसरों का भरण-पोषण करने के लिए बाध्य करना सही नहीं होगा।

ऐसी शादियां मुस्लिम समुदाय में शिक्षा और प्रथागत कानून के ज्ञान की कमी के कारण होती हैं। अदालत भी किसी मुस्लिम व्यक्ति की पहली, दूसरी या तीसरी शादी को आसानी से मान्यता नहीं दे सकती। यह गलत धारणा है कि एक मुस्लिम पुरुष यदि चाहे तो हर हाल में एक से ज्यादा शादियां कर सकता है। कुरान की आयतों की भावना और उद्देश्य एक विवाह है, तथा बहुविवाह केवल अपवाद है।

पत्नी का दावा- अंधा पति भीख से 25 हजार कमाता है

महिला ने अपनी याचिका में दावा किया कि उसका 46 साल का अंधा पति भीख मांगने और कई दूसरे जरियों से 25,000 रुपए कमाता है। इसलिए उसे 10,000 रुपए हर महीने गुजारा भत्ता दिया जाए। महिला ने यह भी कहा कि वह इस समय अपनी पहली पत्नी के साथ रह रहा है। महिला ने कोर्ट को बताया कि वह उसे धमकी दे रहा है कि वह जल्द ही किसी दूसरी महिला से तीसरी शादी कर लेगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया पिंडदान,विष्णुपद मंदिर में पूजा की

करीब 2 घंटे रुकीं, मंदिर तक छोड़ने आए राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान

गया, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शनिवार यानी 20 सितंबर को गयाजी पहुंची। उन्होंने विष्णुपद मंदिर में पिंडदान किया। मंदिर परिसर में राष्ट्रपति के लिए एल्युमिनियम फैब्रिकेटेड हॉल में तीन कक्ष बनाए गए थे। एक कक्ष में राष्ट्रपति अपने परिवार के साथ पिंडदान किया। बाकी 2 कक्ष में राष्ट्रपति भवन कार्यालय के अधिकारी बैठे थे। राष्ट्रपति के साथ राज्यपाल आरिफ मोहम्मद भी विष्णुपद मंदिर पहुंचे थे। उन्हें मंदिर के अंदर छोड़ने के बाद राज्यपाल वापस लौट गए। VVIP दौरे को लेकर मंदिर और आसपास का इलाका कड़ी सुरक्षा घेरे में रहा।

पंडा राजेश लाल कटरियार ने बताया, राष्ट्रपति का पैतृक घर ओडिशा के मयूरभंज में है। राष्ट्रपति मुर्मू के परिवार से बहुत पहले भी एक सदस्य गया जी आकर पिंडदान कर चुके हैं। हालांकि, यह पहला मौका होगा जब खुद राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू पिंडदान के लिए गयाजी आई हैं।

गहलोत बोले- राजस्थान में अराजकता का माहौल,भाजपा-विधायक गुंडागर्दी में शामिल

जयपुर, एजेंसी। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने राजस्थान में बिगड़ती कानून व्यवस्था और BJP विधायक अर्जुनलाल जीनगर पर युवक के साथ मारपीट का आरोप लगाया। उन्होंने वोट चोरी के मुद्दे पर चुनाव आयोग की चुप्पी और BJP के दबाव में काम करने के आरोप लगाए हैं। गहलोत ने एक्स पर लिखा– राजस्थान में चारों ओर अराजकता का माहौल बन चुका है। रेप, हत्या, चोरी, डकैती जैसे क्राइम आम हो गए हैं। चिंताजनक ये है कि अब भाजपा विधायक ही गुंडागर्दी में शामिल हो रहे हैं। गहलोत ने लिखा– चित्तौड़गढ़ के कपासन में भाजपा विधायक अर्जुनलाल जीनगर को पानी के लिए किया गया चुनावी वादा याद दिलाने पर युवक सूरज माली पर जानलेवा हमला हुआ। जो भाजपा राज में लोकतंत्र की हत्या की नई तस्वीर है। पीड़ित युवक के 25 से अधिक फ्रैक्चर आए हैं। युवक की स्थिति ऐसी है कि अभी तक डॉक्टर ऑपरेशन नहीं कर पा रहे हैं।

जम्मू के उधमपुर में सुरक्षाबलों–आतंकियों में मुठभेड़, एक जवान शहीद

जैश के 3 आतंकी छिपे होने की खबर; किश्तवाड़ में भी एनकाउंटर जारी

उधमपुर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में शुक्रवार को आतंकियों के साथ मुठभेड़ में घायल हुआ जवान शनिवार सुबह शहीद हो गया। वहीं एसपीओ समेत दो पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। मुठभेड़ दूदू-बसंतगढ़ और डोडा के भद्रवाह में सोजधार के जंगलों में हो रही है। शुक्रवार रात करीब 8 बजे सेना की व्हाइट नाइट कॉर्प्स, जम्मू-कश्मीर पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) की संयुक्त टीम ने इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान वहां छिपे जैश के 2-3 आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग कर दी। मुठभेड़ वाले इलाके में रातभर कड़ी घेराबंदी कर शनिवार सुबह फिर से सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। उधमपुर और डोडा दोनों तरफ से हवाई निगरानी के लिए ड्रोन, हेलिकॉप्टर और जमीन पर खोजी कुत्तों से लैस फोर्स आतंकियों की तलाश कर रही है। जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। आतंकियों की तलाश में एक ऑपरेशन किश्तवाड़ में भी चलाया गया, जहां शुक्रवार रात से आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ जारी है।

सऊदी अरब को परमाणु हथियार देगा पाकिस्तान

रक्षा मंत्री बोले- भारत से जंग हुई तो सऊदी साथ देगा, 2 दिन पहले हुई डिफेंस डील

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान अपने न्यूक्लियर हथियार सऊदी अरब के साथ शेयर करेगा। दोनों देशों के बीच बुधवार को एक रक्षा समझौता हुआ था, जिसके तहत अगर किसी एक देश पर हमला होता है, तो इसे दोनों पर हमला माना जाएगा। आसिफ ने पाकिस्तानी न्यूज जियो टीवी को दिए साक्षात्कार में कहा, हमारी परमाणु क्षमता पहले से अच्छी है। यह समझौता दोनों देशों को एक-दूसरे की रक्षा करने का वादा करता है। हमारे पास युद्ध के लिए ट्रेंड सेनाएं हैं। हमारे पास जो क्षमताएं हैं, वे इस समझौते के तहत निश्चित रूप से उपलब्ध होंगी। जब आसिफ से पूछा गया कि अगर भारत और पाकिस्तान में जंग होती है तो क्या सऊदी अरब इसमें पाकिस्तान की तरफ से शामिल होगा? इस पर ख्वाजा आसिफ ने कहा, बिल्कुल, इसमें कोई शक की बात नहीं है। हालांकि, उन्होंने किसी देश का नाम नहीं लिया।

आसिफ बोले– हमले के लिए नहीं, रक्षा के लिए इस्तेमाल होगा : आसिफ ने कहा कि इस समझौते का इस्तेमाल किसी हमले के लिए नहीं, बल्कि रक्षा के लिए किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब ने पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम को आर्थिक मदद दी है। पाकिस्तान के पास करीब 170 परमाणु हथियार हैं, जो भारत के 172 हथियारों के लगभग बराबर हैं।

सेवा पखवाड़ा : दिल्ली-बड़ौत के बीच शुरू होगी डीटीसी की एसी बस, कश्मीरी गेट से पहली सेवा प्रात : 4 :50 पर

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर सेवा पखवाड़ा-2025 के अवसर पर दिल्ली सरकार ने राजधानी और उत्तर प्रदेश के यात्रियों को बड़ी सौगात दी है। परिवहन मंत्री डॉ पंकज कुमार सिंह ने घोषणा की है कि दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) कश्मीरी गेट आईएसबीटी से उत्तर प्रदेश के बड़ौत तक नई अंतरराज्यीय एसी बस सेवा शुरू करने जा रहा है।

नई सेवा के तहत रोजाना सुबह और शाम तीन-तीन एसी बसें दोनों ओर से चलाई जाएंगी। दिल्ली से बड़ौत की ओर बसें सुबह 4:50 बजे, 5:20 बजे और 5:50 पर रवाना होंगी। वहीं, शाम को 5:00 बजे, 5:30 बजे और 6:00 बजे बसें बड़ौत के लिए चलेंगी। दूसरी ओर बड़ौत से दिल्ली की तरफ सुबह 7:00 बजे, 7:30 बजे और 8:00 बजे तथा शाम को 7:30 बजे, 8:00 बजे और 8:30 बजे एसी बसें आएंगी।

लगभग 60 किलोमीटर लंबे इस रूट पर सरकार ने किराये को बेहद किफायती रखा है। नई एसी बस सेवा का न्यूनतम किराया 32 रुपये और अधिकतम किराया 125 रुपये निर्धारित किया गया है। मंत्री ने कहा कि इसका मकसद हर वर्ग के लोगों को आरामदायक और सस्ती यात्रा उपलब्ध कराना है।

दिल्ली से बड़ौत जाने वाली बसें खजूरी खास, भजनपुरा, लोनी बस स्टैंड, यूपी बॉर्डर, लोनी, मंडोला, खेकरा, काठा, बागपत, गौरीपुर, सरूरपुर और ट्योढ़ी से होकर गुजरेंगी। इसी तरह बड़ौत से दिल्ली आने वाली बसें भी इन्हीं मार्गों से होकर कश्मीरी गेट आईएसबीटी पहुंचेंगी। परिवहन मंत्री ने संकेत दिया कि आने वाले समय में अन्य अंतरराज्यीय रूटों पर भी एसी बस सेवाएं शुरू की जाएंगी।

सड़ी-गली हालत में मिला महिला का शव

नई दिल्ली, एजेंसी। आनंद पर्वत इलाके में नेहरू नगर के एक मकान में महिला का शव सड़ी-गली हालत में मिला है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस उपायुक्त निधिन वाल्सन ने बताया कि शुक्रवार को आनंद पर्वत थाना पुलिस को सूचना मिली कि एक महिला का शव कमरे में पड़ा है। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मकान की पहली मंजिल पर पहुंची, जहां कमरे में महिला का सड़ी-गली अवस्था में शव पड़ा मिला। महिला के शरीर पर कोई चोट का निशान नहीं दिखा। जांच में पता चला कि महिला पिछले पांच माह से एक व्यक्ति के साथ रह रही थी। महिला के साथ रहने वाला व्यक्ति पिछले चार दिनों से दिखाई नहीं दिया है। शुक्रवार को कमरे से बदबू आने पर लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस को आशंका है कि महिला के साथ रहने वाले व्यक्ति ने उसकी हत्या की है और यहां से भाग गया है।

ट्रैक्टर-डंपर की टक्कर में तीन लोग घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। अलीपुर इलाके में एनएच-44 पर शुक्रवार सुबह गलत दिशा से आ रहे ट्रैक्टर और डंपर की टक्कर हो गई। हादसे में ट्रैक्टर सवार दो लोगों समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में डंपर चालक भी शामिल है। तीनों को पुलिस ने पास के अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से दो को लोक नायक और एक को अंबेडकर अस्पताल में रेफर कर दिया गया। तीनों बयान देने की हालत में नहीं हैं।

दिल्ली में स्कूलों को फिर बम की धमकी, केजरीवाल बोले- चार इंजन की सरकार के बाद भी राजधानी सुरक्षित नहीं

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के स्कूलों को बम की धमकी मिलने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को एक बार फिर से कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इनमें डीपीएस द्वारका, कृष्णा मॉडल पब्लिक स्कूल और सर्वोदय विद्यालय शामिल हैं।

जानकारी के मुताबिक, बम निरोधक दस्तों के साथ पुलिस की टीमें स्कूलों में पहुंची। एहतियात के तौर पर छात्रों और कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और परिसर की गहन तलाशी ली गी। हालांकि जांच में अभी तक कुछ संदिग्ध नहीं मिला है।

स्कूलों में बम की धमकी को लेकर भाजपा पर भड़के केजरीवाल: स्कूलों को मिली बम की धमकी को लेकर अरविंद केजरीवाल ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, %दिल्ली के स्कूलों को बार-बार बम धमकी मिल रही हैं। हर तरफ अफ़रा-तफरी हो जाती है, स्कूलों की छुट्टी होती है, बच्चों और अभिभावकों में डर फैलता है। लेकिन एक साल से न कोई पकड़ा गया, न कोई कार्रवाई हुई। चार इंजन वाली भाजपा सरकार राजधानी की सुरक्षा तक नहीं संभाल पा रही। माता-पिता रोज डर में जी रहे हैं। आखिर ये सब कब खत्म होगा? इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट को पांच सितारा होटल ताज पैलेस को भी बम से उड़ने की धमकी मिली थी। ई-मेल भेजकर धमकी दी गई थी। पुलिस ने डॉग स्क्वाड, बम निरोधक दस्ते आदि से चेकिंग करवाई। लेकिन पुलिस को कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला था।

इस साल जनवरी से लेकर अगस्त के बीच 100 से ज्यादा स्कूलों को मिल चुकी हैं ऐसी ही धमकी: दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से अगस्त के बीच दिल्ली-एनसीआर के करीब 100 से ज्यादा शैक्षणिक संस्थानों को ऐसी ही धमकियां मिल चुकी हैं। इनमें डीपीएस वसंत विहार, अमेटी स्कूल साकेत, सलवान पब्लिक स्कूल, मॉडर्न स्कूल, वसंत वैली स्कूल, सेंट स्टीफंस कॉलेज और श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) जैसे संस्थान शामिल हैं।

जुलाई में चार दिनों में 50 से ज्यादा स्कूलों को मिली थी धमकी: जुलाई में चार दिनों में 50 से ज्यादा स्कूलों को बम की झूठी धमकी मिली थी। 17 जुलाई को पुलिस ने एक 12 वर्षीय बच्चे को गिरफ्तार किया था, जिसने सेंट स्टीफंस कॉलेज और सेंट थॉमस स्कूल को धमकी ई-मेल भेजा था। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि अब तक सभी धमकियां झूठी साबित हुई हैं, लेकिन हर मामले को पूरी गंभीरता से लिया जाता है।

पूर्व में अदालतों को मिले फर्जी बम के मेल: 15 फरवरी 2024- दिल्ली हाईकोर्ट में बम विस्फोट किए जाने की धमकी दी गई। पुलिस द्वारा जांच और निरीक्षण के बाद इसे फर्जी करार दिया गया। 16 अप्रैल 2025- द्वारका जिला अदालत में बम रखे होने की सूचना दी गई।

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव

एनएसयूआइ की हार से कांग्रेस के लिए अभी दिल्ली दूर पूरी ताकत झोंकने के बावजूद उपाध्यक्ष पद ही मिला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव के नतीजों से संकेत मिला है कि राजधानी की राजनीति में कांग्रेस की वापसी की राह अभी लंबी है। एबीवीपी की प्रचंड जीत और एनएसयूआई की कमजोर मौजूदगी से कांग्रेस का मजबूत गढ़ मानी जाने वाली छात्र राजनीति उससे लगभग पूरी तरह छिन चुकी है। इस बार कांग्रेस का छात्र संगठन केवल उपाध्यक्ष पर पर ही जीत सका, जबकि गत वर्ष वह अध्यक्ष व संयुक्त सचिव पद जीतने में सफल हो गया था। डूसू में कभी निर्णायक भूमिका निभाने वाली एनएसयूआई लगातार हाशिये पर जा रही है। इस बार के चुनाव में भी वह छात्रों के बीच प्रभावशाली प्रदर्शन करने में नाकाम रही। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यह केवल चुनावी नतीजे नहीं, बल्कि दिल्ली की जमीनी राजनीति का संकेत भी है। छात्र राजनीति से ही भविष्य के नेता तैयार होते हैं और कांग्रेस के लिए लोकसभा, विधानसभा व एमसीडी चुनाव के बाद इस मोर्चे पर लगातार पराजय चिंता का विषय है। एनएसयूआई की लगातार हार से स्पष्ट है कि कांग्रेस का संगठन युवाओं के बीच पकड़ बनाने में असफल रहा है। दिल्ली में लंबे समय तक सत्ता में रहने के दौरान छात्र राजनीति उसका महत्वपूर्ण सहारा हुआ करती थी। विश्वविद्यालय की राजनीति से ही कांग्रेस ने कई मजबूत चेहरे तैयार किए, लेकिन पिछले एक दशक में उसका यह आधार तेजी से कमजोर हो रहा है। इस पराजय का असर आने वाले एमसीडी चुनाव में भी देखा जा सकता है। एनएसयूआई के पास न तो प्रभावी नेतृत्व दिख रहा है न ही कैंपस में सक्रिय संगठनात्मक ताकते की ठोस रणनीति नहीं बनाई तो दिल्ली की राजनीति में उसकी स्थिति सुधरनी मुश्किल है।

ठगी करने वाले गिरोह का मास्टरमाइंड प्रेमिका सहित गिरफ्तार

नई दिल्ली,एजेंसी। उत्तरी जिले की साइबर थाना पुलिस ने विदेश में नौकरी दिलाने के बहाने ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर मास्टरमाइंड व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह व्हाट्सएप के जरिए संपर्क कर लोगों को ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सहित अन्य देशों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करता था।

जालसाज ठगी के लिए मलयेशिया और वियतनाम के मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के एटा स्थित गांव नंगला गालू निवासी सहदेव सिंह और एटा के गांव पिलुआ उसकी प्रेमिका के रूप में हुई है। पुलिस ने इनसे 2 मोबाइल, 3 पासबुक, 3 चेकबुक, 2 डेबिट कार्ड, 5 भारतीय और 3 वियतनाम के सिम कार्ड्स बरामद किए हैं। पुलिस ने इनके बैंक खाते फ्रीज करा दिए और पीड़ित के 78,920 रुपये भी होल्ड करा दिए हैं। बुराड़ी निवासी धर्मेंद्र ने 6 सितंबर को पुलिस को शिकायत दी थी कि उन्होंने सिंगापुर से टूरिज्म मैनेजमेंट का कोर्स किया था। इसके बाद धर्मेंद्र ने एक व्हाट्सएप ग्रुप वर्क इंफॉर्मेशन के जरिए नौकरी की तलाश शुरू की। इसी ग्रुप में मयंक पांडे नाम के व्यक्ति ने उन्हें वियतनाम के रास्ते ऑस्ट्रेलिया में नौकरी दिलाने के लिए कहा। आरोपी ने पीड़ित से वियतनाम के वीजा के लिए 10 हजार रुपये ले लिए। पीड़ित वीजा मिलने पर वियतनाम पहुंचा। इसके बाद आरोपियों ने ऑस्ट्रेलियाई वीजा के लिए बैंक बैलेंस दिखाने ी मांग की।

अहमदाबाद विमान हादसे में जान गंवाने वाले चार लोगों के परिवारों ने अमेरिका में हनीवेल इंटरनेशनल कंपनी पर मुकदमा दायर किया

वाशिंगटन (अमेरिका)। एजेंसी। भारत के गुजरात के अहमदाबाद में इस साल हुए एयर इंडिया विमान (बोइंग 787) हादसे में जान गंवाने वाले चार लोगों के परिवारों ने अमेरिका में विमान निर्माता और आपूर्तिकर्ता हनीवेल इंटरनेशनल कंपनी पर मुकदमा दायर किया है। यह हादसा 12 जून को हुआ था। एयर इंडिया के अनुसार विमान में सवार 242 यात्रियों में से 241 की मौत हो गई थी, जबकि एक ब्रिटिश नागरिक बच गया।

द सिएटल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस सप्ताह की शुरुआत में डेलावेयर सुपीरियर कोर्ट में दायर किए गए इस मुकदमे में दोनों कंपनियों पर दोषपूर्ण उत्पाद के निर्माण और स्थापना में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया गया है। ये आरोप विमान के इंजन ईंधन नियंत्रण स्विच पर केंद्रित हैं, ये दो स्विच दुर्घटना की जांच के केंद्र में रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि 12 जून को हुई इस घातक विमान दुर्घटना के बाद से यह संयुक्त राज्य अमेरिका में दायर किया गया पहला मुकदमा है।

एयर इंडिया 787 से जुड़ी इस दुर्घटना की अभी भी जांच चल रही है, लेकिन भारत के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण की एक प्रारंभिक रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि इंजन को ईंधन की आपूर्ति करने वाले महत्वपूर्ण स्विच उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड बाद रन स्थिति से कटऑफ स्थिति में आ गए थे।

कुछ ही क्षण बाद स्विच को वापस चालू कर दिया गया, लेकिन इंजन फिर से चालू नहीं हो पाए और विमान पास के एक मेडिकल हॉस्टल से टकरा गया, जिससे विमान में सवार 242 लोगों में से 241 और जमीन पर 19 लोगों की मौत हो गई।

यह स्पष्ट नहीं है कि इंजन के ईंधन स्विच कैसे और क्यों हिले। कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर से मिले डेटा से पता चला कि एक पायलट ने दूसरे से पूछा कि उसने स्विच क्यों हिलाए, जिससे इंजनों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। दूसरे पायलट ने जवाब दिया कि उसने ऐसा नहीं किया। भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो और जांच में सहायता कर रहे अमेरिकी राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने जांच के दौरान अटकलों के प्रति आगाह किया है। पायलट यूनियनों ने भी विमान उड़ाने वालों को दोष देने के प्रति आगाह किया है।

प्रारंभिक रिपोर्ट में, जांचकर्ताओं ने कहा कि बोइंग के 787 बेड़े या विमान को चलाने वाले जनरल इलेक्ट्रिक इंजनों के लिए कोई अनुशंसित कार्रवाई नहीं की गई थी। एयरलाइन के अनुसार, एयर इंडिया के बोइंग बेड़े के इंजन ईंधन नियंत्रण स्विचों के निरीक्षण में कोई समस्या नहीं पाई गई। मंगलवार को दायर मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि बोइंग और हनीवेल, जो इंजन ईंधन नियंत्रण स्विच बनाती है, ने खराब स्विच लगाए जिनमें पायलट द्वारा गलती से उन्हें हिलाने से रोकने के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं थे।

मुकदमे में यह भी आरोप लगाया गया है कि स्विच उच्च-यातायात वाले क्षेत्र में थे, जिससे अनजाने में उनके हिलने का खतरा बढ़ गया और इंजनों में ईंधन की आपूर्ति बाधित हो गई। एयर इंडिया की प्रारंभिक रिपोर्ट जुलाई में जारी हुई थी। पीड़ित परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाली लैनियर लॉ फर्म के अनुसार, मुकदमा चार यात्रियों की गलत तरीके से हुई मौतों के लिए मुआवजे की मांग करता है। वकील बेंजामिन मेजर ने एक बयान में कहा, परिवार न्याय के हकदार हैं और उन्हें यह जानने का हक है कि क्या हुआ।

उल्लेखनीय है कि हनीवेल इंटरनेशनल एक अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनी है। यह एयरोस्पेस, बिल्डिंग ऑटोमेशन, औद्योगिक स्वचालन, और ऊर्जा और स्थिरता समाधान जैसे क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर और सेवाएं प्रदान करती है। यह एक एकीकृत परिचालन कंपनी है। कंपनी दुनिया भर के विभिन्न उद्योगों के लिए स्वचालन, विमानन और ऊर्जा परिवर्तन से संबंधित समाधान विकसित करती है।

कोविड के टीके लगवाने को लेकर अमेरिका में विवाद स्वास्थ्य मंत्री के सलाहकारों ने पैदा की भ्रम की स्थिति

अटलांटा अमेरिका,एजेंसी। अमेरिका के स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. केनेडी जूनियर के नए टीका सलाहकारों ने इस बार कोविड-19 टीकाकरण को लेकर भ्रम की स्थिति पैदा कर दी। उन्होंने किसी के लिए भी टीके की सिफारिश नहीं की और इसे लोगों की अपनी इच्छा पर छोड़ दिया कि वे टीका लगवाना चाहते हैं या नहीं।

अब तक ये टीके लगभग सभी अमेरिकियों को नियमित रूप से उपलब्ध कराए जाते थे, जो इसे लगवाना चाहते थे। हाल ही में अमेरिका के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने इस साल फाइजर, मॉडर्ना और नोवावैक्स टीके पर नई सीमाएं लगा दीं और इन्हें केवल 65 साल से ऊपर के लोगों या ऐसे युवाओं के लिए सुरक्षित रखा, जिन्हें वायरस से ज्यादा खतरा है।

रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के सलाहकारों ने कई बार मतदान के बाद यह फैसला लिया कि वे सीधे तौर पर टीकाकरण की सिफारिश नहीं करेंगे, बल्कि लोगों को खुद फैसला लेने देंगे। सलाहकारों के इस पैनल ने यह भी सुझाव दिया कि सीडीसी को टीके से जुड़े संभावित जोखिमों के बारे में स्पष्ट भाषा में जानकारी देनी चाहिए। इस पर बाहरी चिकित्सा समूहों ने विरोध जताया। उनका कहना था कि टीके की सुरक्षा का रिकॉर्ड अब तक अच्छा रहा है।

पैनल ने इस बात को टाल दिया कि कोविड का टीका लेने के लिए लोगों को डॉक्टर की पर्ची (प्रिस्क्रिप्शन) जरूरी होगी या नहीं। अमेरिकी बाल चिकित्सा अकादमी के डॉक्टर सीन ओलोरी ने कहा कि यह फैसला बहुत ज्यादा अस्पष्ट है और अमेरिका के बच्चों पर इसका सीधा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इस सुझाव में टीके पर अविश्वास फैलाने की कोशिश साफ नजर आ रही है। उन्होंने कहा, यह बहुत अजीबोगरीब बैठक थी।

मौत से बचाने में मजबूत सुरक्षा प्रदान करते हैं टीके

कोविड-19 के टीके भले ही सौ फीसदी सही नहीं हैं। लेकिन सीडीसी के आंकड़े बताते हैं कि वे गंभीर संक्रमण और मृत्यु से बचाने में सबसे मजबूत सुरक्षा प्रदान करते हैं, भले ही व्यक्ति संक्रमित हो जाए। वायरस के रूप समय-समय पर बदलते रहते हैं, इसलिए लोग एक से अधिक बार कोविड का शिकार हो सकते हैं।

केवल 44 फीसदी नागरिकों ने ली अपडेटेड खुराक

फ्लू के टीकों की तरह कोविड-19 टीकों को अब हर साल अपडेट किया जा रहा है। लेकिन सीडीसी के मुताबिक, पिछले साल केवल 44 फीसदी वरिष्ठ नागरिकों और 13 फीसदी बच्चों ने कोविड टीकों की अपडेट की हुई खुराक ली। पैनल के एक सदस्य डॉ. कोडी मैइस्नर ने कहा, अगर आप ऐसे सुझाव देते हैं, जिसे लोग मानने वाले ही नहीं, तो वह समझदारी नहीं है। डॉ. मैइस्नर डार्टमाउथ कॉलेज से हैं।

अमेरिका ने किया गोल्ड कार्ड योजना का शुभारंभ, अमीरों के लिए खुले रास्ते

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका में स्थायी निवास के लिए गोल्ड कार्ड नाम की एक नई प्रीमियम आव्रजन (इमिग्रेशन) योजना शुरू की है। इस योजना के तहत दुनियाभर के अमीर लोगों को महंगे गोल्ड कार्ड के जरिए अमेरिका में स्थायी निवास का मौका दिया जाएगा, जिससे अमेरिकी खजाने को अरबों डॉलर की आमदनी हो सकती है।

वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने शुक्रवार को इस योजना का एलान किया। उन्होंने कहा कि यह अमेरिका की आव्रजन नीति में एक बुनियादी बदलाव है, जिसमें अब उन आवेदकों को प्राथमिकता दी जाएगी, जो देश में बड़ा वित्तीय योगदान कर सकते हैं।

गोल्ड कार्ड के लिए कितने पैसे चुकाने होंगे?

गोल्ड कार्ड योजना के तहत अगर कोई व्यक्ति खुद के लिए अमेरिका में स्थायी निवास चाहता है, तो उसे एक मिलियन डॉलर (करीब 8.5 करोड़ रुपये) देने होंगे। वहीं, अगर कोई कंपनी अपने कर्मचारी के लिए गोल्ड कार्ड दिलवाना चाहती है, तो उसे प्रति कर्मचारी दो मिलियन डॉलर (करीब 17 करोड़ रुपये) चुकाने होंगे। यह योजना मौजूदा ईबी-1 और ईबी-2 श्रेणियों के तहत मिलने वाले रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड की जगह लेगी और इसकी शुरुआत में 80 हजार वीजा जारी किए जाएंगे।

लुटनिक ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया, अगर आप अमेरिका के लिए एक मिलियन डॉलर का योगदान दे सकते हैं, तो आप अमेरिका के लिए असाधारण महत्व वाले व्यक्ति साबित हो सकते हैं। यह माना जाएगा कि ऐसे लोग अमेरिका के लिए बेहद कीमती साबित होंगे।

गोल्ड कार्ड धारकों को विशेषाधिकार प्राप्त स्थायी निवासी का दर्जा दिया जाएगा, जिसके तहत उन्हें अमेरिका में स्थायी रूप से रहने और काम करने का पूरा अधिकार मिलेगा। साथ ही नागरिकता पाने का रास्ता भी खुल जाएगा। इसस योजना की एक महत्वपूर्ण शर्त यह है कि गोल्ड कार्ड धारकों को अपनी दुनियाभर की आय पर कर अमेरिकी सरकार को देना होगा, ठीक वैसे ही जैसे अमेरिकी नागरिक देते हैं। इसका मतलब है कि आवेदकों को अपनी वैश्विक आय पर अमेरिका में कर देना होगा, चाहे वे कहीं भी कमाई कर रहे हों।

लुटनिक ने कहा, ग्रीन कार्डधारक को वैश्विक कर देना होगा और उसका कराधान अमेरिकी नागरिक या स्थायी निवासी की तरह किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह शर्त उन आवेदकों को हतोत्साहित कर सकती है, जिनके जटिल अंतरराष्ट्रीय लेन-देन हैं।

आवेदक को सख्त जांच प्रक्रिया से गुजरना होगा

अमेरिका दुनिया के कुछ ही देशों में से एक है, जो अपने नागरिकों और स्थायी निवासियों से उनकी पूरी वैश्विक आय पर कर (टैक्स) लेता है। इससे कुछ अमीर आवेदकों को दोगुने कर का सामना करना पड़ सका है, जो उनके देश के अमेरिका के साथ कर समझौतों पर निर्भर करता है। आवेदकों को अमेरिका की सबसे सख्त जांच प्रक्रिया से गुजरना होगा, जिसकी अतिरिक्त लागत 15 हजार डॉलर प्रति आवेदक होगी। यह जांच गृह सुरक्षा विभाग और विदेश मंत्रालय की ओर से की जाएगी।

लुटनिक ने जोर देते हुए कहा, इसके लिए हम अब तक की सबसे कड़ी जांच करेंगे। इतने अधिक शुल्क का एक कारण यह भी है कि सुरक्षा जांच और भी सख्त होगी। इस योजना में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जोखिम वाले या आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति को शामिल नहीं किया जाएगा, जैसाकि मौजूदा ग्रीन कार्य योजना में होता है।

कंपनियों के लिए अपने हर कर्मचारी पर दो मिलियन डॉलर (करीब 17 करोड़ रुपये) का निवेश एक तरह से उन्हें कंपनी में बनाए रखने की रणनीति है। अगर कोई कर्मचारी कंपनी छोड़ देता है, तो उसका गोल्ड कार्ड तब तक मान्य नहीं रहेगा, जब तक कि नई कंपनी ने भी अपने कर्मचारियों के लिए गोल्ड कार्ड न खरीदा हो।

लुटनिक ने बताया, अगर उस व्यक्ति के पास नई कंपनी द्वारा खरीदा गया गोल्ड कार्ड नहीं होगा, तो वह अमेरिका में काम नहीं कर पाएगा और उसे किसी और देश में काम करना होगा। हालांकि, मूल कंपनी उस गोल्ड कार्ड की मालिक बनी रहेगी और वह अतिरिक्त जांच और ट्रांसफर शुल्क अदा करके उस कार्ड को किसी नए कर्मचारी को ट्रांसफर कर सकेगी।

ट्रंप प्लेटिनम कार्ड योजना को कांग्रेस की मंजूरी का इंतजार

अमेरिकी प्रशासन ने ट्रंप प्लेटिनम कार्ड नाम की एक दूसरी योजना लाने की तैयारी में है, जिसे कांग्रेस की मंजूरी की जरूरत होगी और इसकी कीमत पांच मिलियन डॉलर होगी। यह योजना स्थायी निवास या नागरिका का रास्ता नहीं देगी और इसके धारकों को केवल अमेरिका में हुई आय पर कर देना होगा। प्लेटिनम योजना के तहत धारकों को अमेरिका में मौजूदा 120 दिन की वार्षिक सीमा से अधिक समय तक रहने की अनुमति मिल सकती है। हालांकि, इसके नियमों पर अभी कांग्रेस का फैसला बाकी है।

ट्रंप प्रशासन का अनुमान है कि गोल्ड कार्ड योजना से अमेरिका को सौ बिलियन डॉलर से अधिक की आय प्राप्त होगी, जबकि भविष्य की प्लेटिनम योजना से एक ट्रिलियन डॉलर तक की कमाई हो सकती है। यह योजना एक महीने के भीतर लागू की जाएगी और इस दौरान अन्य श्रेणियों के ग्रीन कार्ड निलंबित रह सकते हैं। आवेदन के लिए एक वेबसाइट trumpcard.go1 बनाई जाएगी। यह योजना पारंपरिक रोजगार आधारित आव्रजन से पूरी तरह अलग है, जहां पहले कौशल और नौकरी की जरूरतों को प्राथमिकता दी जाती थी, न कि धन-संपत्ति को।आलोचक इसे पैसे का खेल वाला सिस्टम बता रहे हैं। वहीं, समर्थक इसे आर्थिकयोगदान करने वाला बता रहे हैं। अमीर भारतीयों के लिए यह योजना मौजूदा निवेशक वीजा कार्यक्रमों की तुलना में तेज रास्ता हो सकती है।

सीधी खुर्द में स्वस्थ नारी - सशक्त परिवार कार्यक्रम का आयोजन

नारी का स्वास्थ्य ही परिवार और राष्ट्र की शक्ति: सांसद

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत स्वस्थ नारी दृ सशक्त परिवार कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को सीधी जिले के सीधी खुर्द स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत किशोर छात्राओं हेतु सिकल सेल जागरूकता एवं टेस्टिंग शिविर का आयोजन भी किया गया, जिससे आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हुई।

सांसद डॉ. राजेश मिश्र ने कहा कि नारी का स्वास्थ्य ही परिवार और समाज की वास्तविक शक्ति है। यदि हमारी माताएं और बहनें स्वस्थ होंगी तो परिवार सशक्त होगा और यही सशक्त परिवार मिलकर एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण करेगा। प्रधानमंत्री महिलाओं के सम्मान, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वावलंबन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं। उनके नेतृत्व में 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ', 'पोषण अभियान', 'स्वच्छता ही सेवा' और 'मातृत्व वंदना योजना' जैसी ऐतिहासिक पहलें शुरू की गई हैं। इन योजनाओं से महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार आया है, बच्चियों की शिक्षा के अवसर बढ़े हैं और मातृ-शिशु मृत्यु दर में कमी लाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

उन्होंने कहा कि आज की किशोर छात्राएं हमारा भविष्य हैं। यदि आज उन्हें स्वास्थ्य, शिक्षा और अवसरों के प्रति जागरूक किया जाए, तो आने वाली पीढ़ी अधिक सशक्त और स्वस्थ होगी। हम सबको मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी बेटी पोषण की कमी, एनीमिया या सिकल सेल जैसी बीमारियों के कारण पीछे न रह जाए। तभी हम स्वस्थ समाज और सशक्त भारत का सपना साकार कर पाएंगे।

कार्यक्रम में पार्षद पूनम सोनी, विक्रम सिंह, प्रमोद द्विवेदी, अमित प्रधान, डॉ. मनोज परिहार, विद्यालय की प्राचार्य वर्षा गौतम, डॉ. बीनू सिंह (विभागाध्यक्ष स्त्री रोग विशेषज्ञ, मेडिकल कॉलेज रीवा), ऑल इंडिया लायनेस क्लब कामाख्या सीधी की अध्यक्ष डॉ. बीना मिश्रा एवं उनकी टीम, वैष्णवी सेवा समिति सीधी तथा किरण सेवा समिति रीवा के प्रतिनिधि एवं विद्यालय की छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

मवेशी तस्करी का प्रयास विफल, पुलिस ने जंगल से बरामद किए 5 मवेशी; आरोपी फरार

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जैतपुर क्षेत्र में पुलिस ने मवेशी तस्करी के प्रयास को विफल कर दिया है। झींक बिजुरी के नवा टोला जंगल से पुलिस ने पांच मवेशियों को बरामद किया है। पुलिस को मवेशी तस्करी की सूचना मिलने पर टीम ने कार्रवाई की। जंगल के रास्ते जा रहे तस्करों का पीछा किया गया। तस्कर पुलिस को देखकर भागने में सफल रहे।

उप निरीक्षक रामपाल वर्मा के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। टीम में आरक्षक इंद्र बहादुर, बलदेव लालमन और एजाज खान शामिल थे। पुलिस के अनुसार, ये मवेशी स्थानीय गांव से चोरी किए गए थे।

तस्कर इन्हें किसी अनजान स्थान पर ले जाने की कोशिश कर रहे थे। मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर रखा गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तलाशी अभियान जारी है।

अधेड़ का मिला शव रखकर किया रोड जाम, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में एक अधेड़ मौत का मामला सामने आया है। कोतवाली थाना क्षेत्र के एनएच-39 बायपास पर शुक्रवार देर रात लल्ला साकेत (50) घायल अवस्था में मिले। स्थानीय लोगों और पुलिस ने उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पत्नी सावित्रीबाई ने बताया कि उनके पति को शुक्रवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति बाइक पर ले गया था। इसके बाद से उनका फोन बंद था। पत्नी का आरोप है कि यह एक्सीडेंट नहीं बल्कि हत्या का मामला है। शनिवार सुबह पोस्टमॉर्टम के बाद परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो गए। दोपहर 3 बजे उन्होंने जिला अस्पताल परिसर में शव रखकर चक्का जाम कर दिया। परिजनों ने मौत की गहन जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

पीएम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई करेंगे: कोतवाली थाना प्रभारी कन्हैया सिंह बघेल ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह सड़क दुर्घटना का मामला लग रहा है। पुलिस ने एक्सीडेंट की धारा में मर्ग कायम कर लिया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

मानव मांस खाने वाले भालू की मौत, टीचर और चरवाहे पर किया था हमला; घटनास्थल से 200 मीटर दूर मिला शव

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में दो लोगों की जान लेने वाले भालू की मौत हो गई है। वन विभाग की टीम ने भालू का पोस्टमॉर्टम कराकर अंतिम संस्कार किया। यह वही मादा भालू था जिसने 16 सितंबर को खनुआ के जंगल में तीन ग्रामीणों पर हमला किया था।

वन विभाग के एसडीओ एन के त्रिपाठी ने बताया कि ग्रामीणों से भालू के मृत मिलने की सूचना मिली थी। भालू का शव घटनास्थल से मात्र 200 मीटर की दूरी पर मिला। प्रारंभिक जांच में यह माना जा रहा है कि भालू द्वारा मानव मांस खाने के बाद शरीर में रिएक्शन हुआ, जिससे उसकी मौत हुई। भालू के नमूने जांच के लिए लैब भेजे गए हैं।

शिक्षक और चरवाहे पर किया था हमला: घटना की जानकारी देते हुए एसडीओ त्रिपाठी ने बताया कि 16 सितंबर को भालू ने सबसे पहले अकेले जा रहे शिक्षक गणेश प्रसाद पर हमला किया। इसके बाद वहां बकरी चराने पहुंचे शिवप्रसाद और हीरा अगरिया पर भी हमला कर दिया। भालू ने इन दोनों लोगों का मांस खाया था। इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई थी और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ था।

वन विभाग ग्रामीणों को लगातार सावधानी बरतने की सलाह दे रहा है। विभाग ने सुझाव दिया है कि जंगल की तरफ अकेले न जाएं। साथ में शोर करने वाली वस्तुएं या लाठी-डंडे अवश्य रखें, जिससे भालू से सामना होने पर बचाव किया जा सके।

भालू के हमले में टीचर समेत 2 की मौत: सिंगरौली जिले के पूर्वी सरई वन क्षेत्र के खनुआ जंगल में मंगलवार (16 सितंबर) शाम करीब 4:30 बजे एक भालू के हमले में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

जानकारी के मुताबिक खनुआ-जमगड़ी के जंगल में हीरा अगरिया (45) और शिवकुमार पटेल (दोनों खनुआ निवासी) बकरी चरा रहे थे। इसी दौरान वहां मौजूद गजरा-बहरा निवासी अतिथि शिक्षक गणेश बैस (45) पर अचानक भालू ने हमला कर दिया। गणेश बैस को बचाने के लिए हीरा अगरिया आगे आया, लेकिन भालू ने उन दोनों पर एक साथ हमला कर दिया।

आंगनवाड़ी में एक भी बच्चा नहीं मिला, रजिस्टर में 20 बच्चों का पंजीयन; सहायिका भी मौजूद नहीं थीं

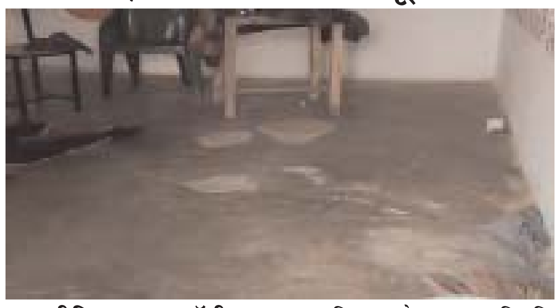

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के रामपुर नैकिन जनपद पंचायत के ग्राम पड़खुरी में आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 4 में कोई बच्चा नहीं पहुंच रहा है। केंद्र में 20 बच्चों का पंजीयन है। शासन इन बच्चों के लिए पोषण आहार, खिलौने और शैक्षिक सामग्री भेजता है। जांच के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुनीता पटेल मौजूद थीं। सहायिका गीता साकेत अनुपस्थित मिलीं। ग्रामीणों ने महिला और बाल विकास विभाग के अधिकारियों से शिकायत की है। उनका कहना है कि कार्यकर्ता और सहायिका केवल उपस्थिति रजिस्टर भरकर खानापूर्ति करती हैं।

शासन के भेजे गए संसाधनों का दुरुपयोग हो रहा है। नियमानुसार आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को 15,000 रुपए और सहायिका को 7,500 रुपए प्रतिमाह मानदेय मिलता है। महिला और बाल विकास विभाग अधिकारी प्रवेश मिश्रा ने कहा कि आंगनवाड़ी बच्चों के पोषण और शिक्षा के लिए है। बच्चों की अनुपस्थिति से इसका उद्देश्य विफल हो जाता है। उन्होंने मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

जिले में आयोजित हुई मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता परीक्षा, 27,000 से अधिक नवसाक्षर हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रदेश में साक्षरता दर बढ़ाने के उद्देश्य से भारत सरकार के निर्देशानुसार संचालित उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें नवसाक्षरों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। जिला कलेक्टर एवं सी.ई.ओ. जिला पंचायत के मार्गदर्शन में और राज्य शिक्षा केन्द्र के दिशा-निर्देश अनुसार यह परीक्षा जिले के सभी विकासखण्डों में संचालित की गई। परीक्षा में दूरदराज और वनांचल क्षेत्रों के लोग भी उत्साहपूर्वक शामिल हुए। जिला जेल सीधी में भी परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें 35 बंदी शामिल हुए।

परीक्षा के लिए जिले के समस्त शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों को परीक्षा केंद्र के रूप में निर्धारित किया गया था। शिक्षकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, आशा कार्यकर्ताओं और अक्षर साथियों के सहयोग से परीक्षा का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन संपन्न कराया गया। परीक्षा प्रात: 10 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित की गई, जिसकी अवधि 3 घंटे थी। नवसाक्षरों ने अपनी सुविधा के अनुसार परीक्षा में भाग लिया। जिन नवसाक्षरों ने पढ़ना, लिखना और बुनियादी संख्यात्मकता में 33 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त किए, उन्हें नीड टू इम्प्रूवमेंट श्रेणी में रखा गया और आगामी परीक्षाओं में पुन: शामिल किया जाएगा।

इस अवसर पर डाइट प्राचार्य, डाइट के व्याख्याता, सभी विकासखण्डों के प्रभारी, जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी, समस्त विकासखण्डों के बी.आर.सी., बी.ए.सी., सह समन्वयक साक्षरता एवं जन शिक्षकों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया और परीक्षा संचालन की व्यवस्था का सफलतापूर्वक मूल्यांकन किया।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत विविध कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में प्राचार्य डॉ. पी.के. सिंह के कुशल निर्देशन एवं भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के त्रैमासिक कैलेंडर के अनुसार 14 सितम्बर से 20 सितम्बर तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर राजभाषा हिंदी की दशा एवं दिशा विषय पर व्याख्यान प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसका संचालन संयोजक प्रो. विनोद कुमार साकेत द्वारा किया गया। इसमें प्रथम स्थान अनित सिंह चौहान (एम.ए. प्रथम सेमेस्टर, हिंदी), द्वितीय स्थान कंचन जायसवाल (बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष) तथा तृतीय स्थान चंदन सिंह पटेल (बी.ए. तृतीय वर्ष) ने प्राप्त किया।

भारतीय ज्ञान परंपरा में हिंदी साहित्य की भूमिका विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन श्री रामानुज पटेल के संयोजन में हुआ। इसमें प्रथम स्थान अनित सिंह चौहान (एम.ए. प्रथम सेमेस्टर, हिंदी), द्वितीय स्थान अंकिता सिंह (बी.ए. प्रथम वर्ष) तथा तृतीय स्थान कंचन जायसवाल (बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष) रही।

हिंदी के प्रतिष्ठित कवियों की रचनाओं पर आधारित काव्य-पाठ एवं स्वरचित काव्य-पाठ प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. राजकुमार सिंह के नेतृत्व में किया गया। इसमें प्रथम स्थान चंदन कुमार पटेल (बी.ए. तृतीय वर्ष), द्वितीय स्थान कंचन जायसवाल (बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष), जबकि तृतीय स्थान विक्रम गुप्ता (बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष), यादवेंद्र सिंह चंदेल (बी.ए. तृतीय वर्ष) एवं अनित सिंह चौहान (एम.ए. प्रथम सेमेस्टर, हिंदी) को मिला।

हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसे छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक देखा।

कार्यक्रम में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी डॉ. दिलीप कुमार सोनी, सहायक नोडल अधिकारी डॉ. आशुतोष पाण्डेय, डॉ. उमेश कुमार सोनी, डॉ. कोमल पाण्डेय, डॉ. राजेश कुमार मिश्रा, डॉ. विभा कुशवाहा, डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, डॉ. सुरेंद्र कुमार मिश्रा, श्रेया शर्मा, डॉ. मनोज जायसवाल सहित महाविद्यालय का स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ब्यौहारी में गोंडवाना पार्टी ने तहसीलदार को दिया ज्ञापन, अस्पताल की अव्यवस्था पर रोक और जमीनों पर कब्जा हटाने की मांग

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। ब्यौहारी में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम प्रस्तुत किया गया। गोंडवाना के युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष अजय सिंह ने कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। ब्यौहारी अस्पताल में मरीजों को आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। अस्पताल प्रशासन से बार-बार मांग के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ है।

ज्ञापन में सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। आदिवासी परिवारों की जमीनों पर भू-माफियाओं का कब्जा एक बड़ी समस्या बन गया है। पार्टी ने इस पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। गोंडवाना पार्टी ने राज्य सरकार से एक विशेष निगरानी समिति बनाने की मांग की है। यह समिति इन मुद्दों की जांच करेगी और उचित कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। पार्टी ने चेतावनी दी है कि मांगों पर ध्यान न दिए जाने पर वे बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

बाहरी वाहनों से आरटीओ की अवैध वासूली, सीएम डिप्टी सीएम की मौजूदगी में कई वाहनों से होती रही लूट

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री के त्यौंथर आगमन और डिप्टी सीएम की रीवा में मौजूदगी के दौरान आरटीओ रीवा मनीष त्रिपाठी के संरक्षण में ट्रक मालिकों से धोखाधड़ी और लूटपाट का मामला सामने आया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एडवोकेट शिव सिंह ने इस मामले को लेकर एसपी रीवा से मुलाकात की और कड़ी कार्रवाई की मांग की। शिव सिंह ने बताया कि 19 सितंबर 2025 को उनके परिचित ओम प्रकाश साहू का ट्रक क्रमांक सीजी-04एनआर-7327 प्रयागराज से कच्चा सब्जी माल लेकर रीवा गोविंदगढ़ मार्ग से छत्तीसगढ़ जा रहा था। इस ट्रक का रायपुर आरटीओ से टेम्परेरी परमिट 13 सितंबर से 12 अक्टूबर 2025 तक के लिए बना हुआ था।

ट्रक ड्राइवर जागेश्वर यादव ने बताया कि 19 सितंबर को सुबह लगभग 8 बजे गोविंदगढ़ रोड ग्राम मड़वा के पास आरटीओ रीवा के बोर्ड लगी बेलोरो गाड़ी में सवार चार लोगों ने उनके वाहन को रोका और फिर कुछ दूर तक गोविंदगढ़ की ओर ले गए। इनमें से एक व्यक्ति गंजा और मोटा था, जबकि दूसरा काफी पेट निकला था। तीसरा दुबला था और चौथा व्यक्ति पुलिस की वर्दी में था। वर्दीधारी को छोड़कर बाकी तीन लोग सादे कपड़ों में थे। उन्होंने गाड़ी का परमिट देखा और कहा कि यह मध्य प्रदेश से नहीं है। ड्राइवर ने ट्रक मालिक ओम प्रकाश साहू से बात करने को कहा, तो उन्होंने कहा कि अपने मोबाइल से बात कराओ। ट्रक मालिक ने कहा कि उत्तर प्रदेश से छत्तीसगढ़ तक का टेम्परेरी परमिट है, और यदि आरटीओ विभाग को लगता है कि मध्य प्रदेश से गुजरने का अलग से पैसा देना पड़ेगा, तो वे नियम के मुताबिक 1900 रुपये की रसीद काट सकते हैं।

हालांकि, चारों लोगों ने कहा कि गाड़ी जप्त कर कोर्ट भेज देंगे और 75 हजार रुपये का चालान जमा करना पड़ेगा। वाहन मालिक ने कहा कि ऐसा न करें, क्योंकि कच्चा माल लदा है, जो खराब हो जाएगा। तब उन्होंने कहा कि 30 हजार रुपये से कम नहीं होगा। इस दबाव में ट्रक मालिक ने 30 हजार रुपये देने को तैयार हो गया। आरटीओ के बदमाशों ने ड्राइवर के मोबाइल नंबर से एक क्यूआर कोड भेजा, जिसके जरिए ट्रक मालिक ने पहले 2 हजार रुपये और फिर 28 हजार रुपये भेजे। ट्रांसफर आईडी में नाम अखिलेश तिवारी था। शिव सिंह ने कहा कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि आरटीओ मनीष त्रिपाठी के संरक्षण में यह लूटपाट लगातार जारी है।

जवा ब्लाक में आयोजित की गई साक्षरता परीक्षा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार प्रदेश की साक्षरता दर बढ़ाने के लिए आज उल्लास नवभारत साक्षरता के माध्यम से जवा ब्लॉक के समस्त विद्यालयों में हर्ष और उल्लास पूर्वक साक्षरता परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में बढ़-चढ़कर असाक्षरों ने भाग लिया।

ब्लॉक साक्षरता प्रभारी अंबिकेश प्रताप सिंह ने बताया कि विद्यालयों में व्यवस्थित ढंग से परीक्षा आयोजित हुई और अच्छी खासी संख्या में असाक्षरों ने परीक्षा दी।

इस परीक्षा में समस्त प्रधानाध्यापक, संकुल प्राचार्य, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, विकासखंड स्रोत समन्वयक, जन शिक्षक और संकुल समन्वयक का अच्छा सहयोग मिला।

साक्षरता परीक्षा का उद्देश्य असाक्षरों को साक्षर बनाना और प्रदेश की साक्षरता दर को बढ़ाना है। इस पहल से शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और लोगों को शिक्षा के महत्व का एहसास होगा।

सऊदी–पाक युद्ध करार

संपादकीय

बीते दिनों मिस्र ने प्रस्ताव दिया था कि अरब लीग के 22 देशों की संयुक्त सेना, नाटो की तर्ज पर, बनाई जाए। उसमें पाकिस्तान को शामिल नहीं किया गया था। यह विचार भी कतर पर इजरायल के हमले के मद्देनजर सामने आया था। यदि अरब लीग की साझा सेना औपचारिक तौर पर आकार ग्रहण करती है, तो इजरायल के खिलाफ 37.78 लाख सैनिकों की साझा सेना लड़ेगी। उनका आखिरी फैसला या करार तो फिलहाल विचाराधीन है, लेकिन सऊदी अरब और पाकिस्तान ने नाटो जैसा करार कर लिया है। करार पर पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सऊदी युवराज (प्रधानमंत्री) मुहम्मद बिन सलमान ने दस्तखत किए। पाकिस्तान के सेना प्रमुख, फील्ड मार्शल आसिम मुनीर भी करार के दौरान मौजूद थे। नाटो जैसा करार इसलिए कहा जा रहा है कि यदि कोई एक देश पर हमला करता है, तो उसे दोनों देशों पर हमला माना जाएगा और सऊदी-पाक की सेनाएं मिल कर उस हमले का जवाब देंगी। विशेषज्ञ इस करार को 'औपचारिक संधि' नहीं मानते, लेकिन भारत समेत क्षेत्रीय देशों ने इस करार को गंभीरता से लिया है। हमारे विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के मुताबिक-'सरकार को इसकी पहले से ही जानकारी थी। यह लंबे वक्त से होने वाला था। यह समझौता दोनों देशों के बीच पहले से मौजूद संबंधों को औपचारिक रूप देता है। इससे भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता पर क्या असर पड़ेगा, उसका आकलन किया जाएगा। भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।' बहरहाल करार में पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को भी शामिल किया गया है। अफगानिस्तान और इराक में अमरीकी राजदूत रहे जलमय खलीलजाद का मानना है कि यह सऊदी-पाक के दरमियान एक बड़ी रणनीतिक साझेदारी का करार है। इसमें कुछ 'सीक्रेट क्लॉज' भी हो सकते हैं, जिनका खुलासा होना शेष है।

दरअसल सऊदी अरब ही नहीं, अधिकतर खाड़ी देश अब अमरीका की सुरक्षा गारंटी पर ही आश्रित नहीं रहना चाहते। इसी गारंटी के बल पर ही वे इजरायल के हमलों को रोक नहीं सकते। वैसे अमरीका और इजरायल दोनों आपस में मित्र-देश हैं। हमलों के पीछे उनकी साझा रणनीति होती है। पाकिस्तान के पास परमाणु हथियार हैं। चीन के सहयोग से वह ऐसे मिसाइल सिस्टम विकसित करने में जुटा है, जो पूरे मध्य-पूर्व और इजरायल तक मार कर सकेंगे। सवाल भारत के लिए बेहद अहम है कि क्या सऊदी अरब, आतंकवाद के मद्देनजर छिड़ी जंग के दौरान, भारत के खिलाफ युद्ध लड़ेगा? सऊदी भारत का अहम मित्र-देश है। वहां की 3.5 करोड़ की आबादी में करीब 26.50 लाख भारतीय भी हैं, जो उसकी अर्थव्यवस्था को गति और पुख्ता आधार देने में सक्रिय हैं। सऊदी हमारा चौथा सबसे बड़ा व्यापार-साझेदार है। 2016 में सऊदी हुकूमत ने भारत के प्रधानमंत्री मोदी को उनके 'सर्वोच्च नागरिक सम्मान' से नवाजा था। क्या फिर भी सऊदी अरब, पाकिस्तान के लिए, भारत के खिलाफ युद्ध में उतर सकता है?

पितरों के प्रति समर्पण के परिचायक श्राद्ध

(डॉ. सुधाकर आशावादी-विनायक फीचर्स)

सभ्य समाज में वंशानुगत परंपराओं का निर्वहन करते हुए आगत पीढ़ी को पूर्वजों के इतिहास से परिचित कराना अनिवार्य होता है, ताकि आगत पीढ़ी पारिवारिक मर्यादाओं में रहकर अपने पूर्वजों के यश का विस्तार कर सके।

आश्विन मास के कृष्ण पक्ष में प्रथमा से लेकर अमावस्या तक का पखवाड़ा श्राद्ध पक्ष कहलाता है। इससे पूर्व भाद्रपद की पूर्णिमा को प्रथम श्राद्ध के रूप में उन पुण्य आत्माओं का स्मरण किया जाता है, जिन्होंने पूर्णिमा के दिन नश्वर शरीर से प्रयाण किया हो। सनातन मान्यताओं में श्राद्ध पक्ष में सनातन धर्म के अनुयायी अपने मृत पूर्वजों का स्मरण करते हैं तथा उनकी स्मृति में उनकी पसंद का स्मरण करते हुए वही भोज्य पदार्थ बनाते हैं, जो मृतक की प्रिय लगते थे। बहरहाल तर्क शास्त्री भले ही श्राद्ध को तर्क की कसौटी पर खरा न स्वीकारते हों, लेकिन यह विशुद्ध आस्था एवं श्रद्धा का विषय है और धर्म के प्रति आस्था पर प्रश्न चिन्ह नही लगाया जाता।

श्राद्ध पक्ष में शुभ और अशुभ का विचार अधिक होता है। कुछ परिवारों में श्राद्ध पक्ष में कोई भी शुभ कार्य नहीं किया जाता। यहाँ तक कि नई वस्तुओं की खरीदारी से भी परहेज किया जाता है। इस धारणा के पीछे कोई सटीक तर्क नहीं है, कि ऐसा परहेज़ क्यों करना चाहिए। मेरा मत है कि भारत में धर्मानुसार आस्था पर उंगली उठाने का कोई औचित्य नहीं है। इतना अवश्य है कि आधुनिक समाज में समयानुसार हो रहे परिवर्तन के साथ सामंजस्य स्थापित करना अनिवार्य है। यूँ तो तार्किक समाज में श्राद्ध पर ही प्रश्न चिन्ह खड़े करने का चलन शुरू हो गया है तथा खंडित होते परिवारों में स्वार्थ सर्वोपरि हैं। संयुक्त परिवार की अवधारणा लगभग समाप्त हो चुका है। ऐसे में श्राद्ध मन से कम और औपचारिकता से अधिक मनाए जाने की स्थिति उत्पन्न हो गई है। वैसे भी सामाजिक बदलाव के दौर में व्यक्ति सुविधानुसार आचरण करने हेतु स्वतंत्र है। श्राद्ध पक्ष को यदि आस्था और श्रद्धा से न भी जोड़ा जाए तो श्राद्ध के औचित्य को इस प्रकार समझा जा सकता है, कि वंशानुगत परिचय से आज की पीढ़ी वंचित है। उसकी स्मृतियों में अपने पूर्वजों के नाम तक सुरक्षित नहीं हैं। पिता, दादा से ऊपर की पीढ़ी से आज की पीढ़ी अनभिज्ञ है। ऐसे में यदि सभ्य समाज आश्विन मास के कृष्ण पक्ष में अपने पूर्वजों के मृत्यु दिवस को स्मरण करता है तथा उनकी स्मृति में भोजन, वस्त्र या अन्य वस्तुएँ अपनी श्रद्धा व सामर्थ्य के अनुसार दान करता है, तो इसे ग़लत कैसे कहा जा सकता है। हाँ इतना अवश्य है कि दान ऐसे सुपात्र को देना चाहिए, जो वास्तव में दीन हीन हो तथा अपने भरण पोषण की व्यवस्था करने में असमर्थ हो।

श्राद्ध दिवस पर अपने परिवार की उस पुण्यात्मा की चारित्रिक विशेषता से पूरे परिवार को अवगत कराना चाहिए, जिसकी स्मृति में श्राद्ध का आयोजन किया जा रहा है। कहने का आशय यह है कि भले ही हम अपनी पुरातन परंपराओं को तर्क की कसौटी पर खरा न पाएँ, मगर श्राद्ध मनाने के पीछे पूर्वजों के प्रति श्रद्धापूर्ण स्मरण की भावना को नकारा नही जा सकता।

भटका हुआ स्मार्ट सिटी अभियान, तैयार की गई योजनाओं पर देना होगा ध्यान

> भारत के शहरी विकास को सुंदरीकरण से हटकर नए ग्रीनफील्ड निर्माण की ओर बढ़ना होगा। जिस तरह चीन ने शेंजेन को एक मछली पकड़ने वाले गांव से प्रौद्योगिकी और वित्त के वैश्विक केंद्र में बदल दिया उसी तरह भारत को भी नए शहरी केंद्र बनाने की इच्छाशक्ति दिखानी होगी जो लोगों और निवेश दोनों को आकर्षित कर सकें।

अनुरोध ललित जैन।

वर्ष 2015 में मोदी सरकार ने स्मार्ट सिटी अभियान (एससीए) की शुरुआत की थी, जिसमें भारत के शहरी भविष्य को बदलने का वादा किया गया था। यह उद्देश्य प्रौद्योगिकी, नवाचार और बेहतर नियोजन का उपयोग करके सौ ऐसे शहर बनाना था, जो स्थिरता और दक्षता के माडल बन सकें। आज लगभग एक दशक बाद 1.5 लाख करोड़ रुपये निवेश के बावजूद भारतीय शहर एक अलग कहानी कहते हैं। जब गुरुग्राम, बेंगलुरु और मुंबई में भारी बारिश ने सड़कों को जलमग्न कर दिया, तो पानी भरे मार्गों पर फंसे यात्रियों को वह 'स्मार्टनेस' कहीं नजर नहीं आई, जिसका वादा किया गया था। भविष्य का खाका बनने वाला यह अभियान चुनिंदा सुंदरीकरण और भटकी हुई प्राथमिकताओं का प्रदर्शन बनकर रह गया है।

विश्व बैंक के अनुसार भारत की शहरी आबादी 2050 तक करीब 95.1 करोड़ हो जाएगी। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु जैसे महानगरों का विस्तार जारी है, वहीं भुवनेश्वर, कोयंबटूर, इंदौर, जयपुर सरीखे शहर विकास के नए केंद्र बन रहे हैं। परिवर्तन की यह गति शहरी ढांचों पर भारी दबाव पैदा कर रही है। अनियोजित निर्माण से जल निकासी व्यवस्था चरमरा रही है, आवास की कमी लोगों को अनौपचारिक बस्तियों में धकेल रही है और परिवहन नेटवर्क बढ़ते यातायात के दबाव में ढह रहे हैं। इसे ध्यान में रखते हुए स्मार्ट सिटी अभियान इन शहरों के पास नए ग्रीनफील्ड उपनगरीय शहरों के निर्माण पर ध्यान दे सकता था। बजाय इसके इसने मौजूदा शहरों के छोटे-छोटे हिस्सों के सुंदरीकरण, ओवरब्रिज नवीनीकरण, स्ट्रीट लाइटों के डिजिटलीकरण और नियंत्रण केंद्र स्थापित करने पर ही अधिक ध्यान केंद्रित किया। जल निकासी और आवास जैसी गहरी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया। इसके दुष्परिणाम मानसून में देखने को मिले।

अटल मिशन फार रेजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफार्मेशन यानी अमृत भारत सरकार की एक और महत्वाकांक्षी योजना है। इसका उद्देश्य 500 शहरों में बुनियादी सुविधाओं का विकास करना है। इस अभियान में पेयजल, मल जल प्रणाली, वर्षा जल निकासी और हरे-भरे स्थान जैसी बुनियादी सुविधाओं को ठीक करने का वादा किया गया। इसके पहले चरण में पांच साल के लिए 50,000 करोड़ रुपये बजट था। दूसरे चरण में लगभग 2.9 लाख करोड़ रुपये। इसका लक्ष्य शहरी भारत में पानी और मल जल प्रणाली को बेहतर करना था, लेकिन इस बरसात में देश ने देखा कि शहरों की कैसी दुर्दशा हुई। हमारे छोटे-बड़े शहर हर बारिश के दौरान टापुओं में तब्दील हो जाते हैं, जिससे जनजीवन प्रभावित होता है। लगता है कि भारत के शहरी विकास के कार्यक्रम अभी भी अलग-अलग खांचों में डिजाइन किए जाते हैं। नई दिल्ली में तैयार की गई योजनाएं शायद भारतीय शहरों की विविधता से भरी वास्तविकताओं से कटी हुई हैं। शहरों के बेहतर भविष्य के लिए इन खांचों को तोड़ना होगा और स्थानीय सरकारों को सशक्त बनाने के साथ दीर्घकालिक नियोजन को शहरी नीति का केंद्र बनाना होगा। हालांकि सरकार ने गुजरात में धोलेरा, गिफ्ट सिटी, औरंगाबाद औद्योगिक शहर और ग्रेटर नोएडा जैसे कुछ ग्रीनफील्ड पहलों को आगे बढ़ाया है। 2024 में राष्ट्रीय औद्योगिक कारिडोर विकास कार्यक्रम (एनआइसीडीपी) के तहत एक दर्जन नए औद्योगिक केंद्रों को भी मंजूरी दी गई। अच्छा हो कि इनमें समावेशी शहरी विकास की व्यापक चुनौतियों को भी ध्यान में रखा जाए।भारत के शहरी विकास को सुंदरीकरण से हटकर नए ग्रीनफील्ड निर्माण की ओर बढ़ना होगा। जिस तरह चीन ने शेंजेन को एक मछली पकड़ने वाले गांव से प्रौद्योगिकी और वित्त के वैश्विक केंद्र में बदल दिया, उसी तरह भारत को भी नए शहरी केंद्र बनाने की इच्छाशक्ति दिखानी होगी, जो लोगों और निवेश, दोनों को आकर्षित कर सकें। शहरों के आकर्षण को केवल ऊंची इमारतों और राजमार्गों से नहीं, बल्कि बुनियादी सुविधाओं की सुगमता से मापा जाना चाहिए।

वित्तीय प्रोत्साहनों के माध्यम से ग्रीनफील्ड परियोजनाओं को धरातल पर लाया जा सकता है। भारत में संपत्ति कर अनुपालन बहुत कम है, जबकि स्टैंप शुल्क दुनिया में सबसे अधिक है, जो औपचारिक लेनदेन को हतोत्साहित करता है। नई स्मार्ट सिटीज को इन करों से बोझिल करने के बजाय सरकार पहले दशक के लिए कम संपत्ति कर, कम स्टैंप शुल्क और सुव्यवस्थित मंजूरी की पेशकश कर सकती है। सही प्रोत्साहन और नियोजन के साथ बड़े शहरों के पास उपनगरीय शहर नए अवसरों के केंद्रों के रूप में विकसित हो सकते हैं।

हाल के वर्षों में भारत के चमकदार महानगरों को डुबोने वाली बाढ़ को केवल मौसम की घटना के रूप में नहीं, बल्कि शहरों के त्रुटिपूर्ण विकास की देन के रूप में देखा जाना चाहिए। भारत के शहरीकरण की रफ्तार अपेक्षा से तेज है। हमारे सामने विकल्प स्पष्ट है। या तो हम तनावग्रस्त महानगरों में ऊपरी सतह पर कार्य करें या फिर साहस के साथ नए, अच्छी तरह से वित्तपोषित और वास्तव में रहने योग्य शहरों का निर्माण करें।

व्यंग्य : तेल देखो तेल की मार देखो

(मुकेश कबीर-विभूति फीचर्स)

डोनाल्ड ट्रम्प के सेकरेट्री पीटर नवारो ने कहा कि रूस के तेल का फायदा भारत के ब्राह्मण उठा रहे हैं। इस बयान ने साबित कर दिया कि बोलने के मामले मे भूरा भाई का छोटू उनसे डेढ़ परसेंट भी कम नहीं है। हालांकि भारत में इन दोनों की बातों को कोई महत्व नहीं देता क्योंकि यहाँ तो एक पहले से ही मौजूद है जो दस साल से हमें इस तरह की मनोरंजक सामग्री उपलब्ध करा रहा है। असल में भारत में इन तीनों पप्पुओं का गुरु जॉर्ज सोरोस को माना जाता है इसलिए हमारे एक मित्र का कहना है कि सोरोस ने शायद भारत वाले की स्क्रिप्ट अमेरिका वाले को दे दी इसलिए पीटर ने ब्राह्मणों को तेल मे लपेट दिया लेकिन हमें समझ नहीं आ रहा कि ब्राह्मणों का रुसी तेल से क्या लेनादेना? देसी घी की बात होती तो समझ में भी आता कि हवन,पूज,न भोजन प्रसादी के लिए चाहिए होगा लेकिन भारत के ब्राह्मण रुसी तेल सस्ता खरीदकर महंगा बेच रहे हैं यह बात सुनकर तो लगता कि पप्पू स्टाइल अब पूरी दुनिया में चल चुका है। एक बात यह भी साबित हो गई कि पीटर भारत वाला हो या अमेरिका वाला दोनों को ब्राह्मणों से खुन्नस रहती है और हमें तो ऐसा भी लगा कि बहुजन समाजवादी पार्टी को गोरा प्रवक्ता मिल गया, वैसे भी बहिन जी अकेली लगी हुई थीं, अब उन्हें भी सहारा मिल जाएगा। बुढ़ापे मे चाहिए भी एक भरोसेमंद साथी, जो उन्हें अमेरिका में मिला वरना भारत में तो बहिन जी का हाल माया मिली ना राम जैसा हो चुका था। खैर पीटर के इस बयान ने भारत की राजनीति मे हीटर जरूर लगा दिया। हमारे विपक्षी दल चकर घिन्नी हो गए उनको लगता है कि हम बेवजह अडानी को बदनाम करते रहे मुनाफा तो ब्राह्मण कमा रहें हैं, सत्ता वाले इसलिए परेशान हैं कि उन पर फिर से ब्राह्मणवादी होने का आरोप लगेगा फिर दलितों का गुस्सा झेलना पड़ेगा और दलितों को लगता है रूस ने तेल बेचने में आरक्षण के नियमों का पालन क्यों नहीं किया और हमारे अडानी यह सोचकर दुखी है कि इस साल भी दुनिया का सबसे अमीर आदमी बनने का सर्टिफिकेट हासिल नहीं हो पाएगा यहां भी ब्राह्मणों ने भांजी मार दी। लेकिन सबसे ज्यादा दुखी तो हमारे बेधड़क भोपाली हैं वो कहते हैं कि हम तो तीन पीढ़ियों से तेल की लाइन में लगे हुए हैं लेकिन तेल ब्राह्मणों को मिल गया। खैर, जिस तरह हँसने वाले हंसने के बहाने ढूंढ लेते हैं, उसी तरह रोने वाले रोने के बहाने ढूंढ़ लेते हैं इसलिए कुछ कहने के बजाय हमें सिर्फ परिणाम पर ध्यान देना चाहिए कि मस्तिष्क को कष्ट दिए बिना बोलने वाले लोग हमारा उखाड़ क्या लेंगे इसलिए चुप रहकर तेल देखो और तेल की मार देखो...

बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार : समाज पर कलंक

> क्या संपत्ति के लालच ने रिश्तों की डोर इतनी कमजोर कर दी है? इस सामाजिक कैंसर का इलाज सिर्फ कानून से नहीं, बल्कि एक जनांदोलन से होगा। हमें अपने बच्चों को संपत्ति नहीं, संस्कार देना होगा। बुजुर्गों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना होगा और अपनी संपत्ति को जीते जी बच्चों के नाम करने की भूल नहीं करनी चाहिए। समय आ गया है कि हम इस विषय पर एक जोरदार बहस छेड़ें

रमेश धवाला

वृद्धावस्था जीवन का वह सुनहरा दौर माना जाता था, जहां अनुभव की परिपक्वता और परिवार के स्नेह का आनंद लिया जाता था। किंतु आज का कड़वा सच यह है कि यह 'सुनहरा दौर' अब अनेक बुजुर्गों के लिए एक अभिशाप बन गया है। यह कोई प्राकृतिक त्रासदी नहीं, बल्कि हमारे अपने हाथों से रचा गया एक सामाजिक-सांस्कृतिक पतन है, जिसकी जड़ें हमारी नैतिक विफलता में हैं। आज उद्योगीकरण और भौतिकतावाद के नशे में चूर हमारा समाज अपने ही पुरखों को बोझ समझने लगा है। वे वृद्ध, जिनके अनुभव और त्याग पर आज के युवाओं की इमारत खड़ी है, आज उन्हीं के द्वारा उपेक्षा, प्रताडऩा और यातना का शिकार बनाया जा रहा है। यह सवाल सिर्फ बुजुर्गों का नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक मानवता का है। वृद्ध दुर्व्यवहार, जिसे वरिष्ठ नागरिकों के प्रति दुर्व्यवहार भी कहते हैं, किसी ऐसे रिश्ते में होने वाला कोई भी जानबूझकर किया गया हरकत या लापरवाही है जहां विश्वास और देखभाल की अपेक्षा की जाती है। इसका परिणाम वृद्ध व्यक्ति को होने वाली किसी भी प्रकार की क्षति या संकट में होता है। यह मानवाधिकारों का एक गंभीर उल्लंघन है, जिसके विभिन्न रूप हो सकते हैं, जैसे शारीरिक, यौन, मनोवैज्ञानिक एवं भावनात्मक दुर्व्यवहार, आर्थिक शोषण (जैसे पैसे या संपत्ति का गबन), भौतिक उपेक्षा (जैसे भोजन, दवा या आवास से वंचित रखना), परित्याग, गरिमा और सम्मान का हनन (जैसे अपमानजनक व्यवहार या निर्णय लेने के अधिकार से वंचित करना)।

हमने आर्थिक प्रगति और आधुनिकता के नाम पर परिवार के बंधनों को तार-तार किया है। व्यक्तिवाद की दौड़ ने संयुक्त परिवारों की नींव हिला दी है, और इसका सबसे कड़वा फल बुजुर्गों को भुगतना पड़ रहा है। हेल्पेज इंडिया जैसी संस्थाओं के सर्वे चौंकाने वाले हैं – 41 फीसदी बुजुर्गों को गाली-गलौज और 37 प्रतिशत को नियमित अपमान सहना पड़ता है। सबसे बड़ा दुश्मन उनका अपना घर बन गया है, जहां बेटे-बहुएं प्रताडऩा के मुख्य दोषी पाए गए हैं। हाल के वर्षों में अखबारों और सोशल मीडिया पर ऐसी घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। मुंबई में एक सेवानिवृत्त पिता को बासी चावल खिलाकर अंधेरी कोठरी में ढकेला गया। एक बुजुर्ग महिला की चप्पलों से पिटाई का वीडियो वायरल हुआ। एक बेटा अपने बूढ़े माता-पिता को सडक़ पर छोडक़र फरार हो गया। अभी कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर जम्मू का एक वीडियो आया जिसमें एक बुजुर्ग को उसका बेटा वृद्धाश्रम में छोड़ कर गया है। हमारे शास्त्रों एवं संस्कृति में माता-पिता को पूजनीय बताया गया है। पद्मपुराण सृष्टिखंड में कहा गया है – 'सर्वतीर्थमयी माता सर्वदेवमय– पिता। मातरं पितरं तस्मात् सर्वयत्नेन पूजयेत।।' अर्थात माता सभी तीर्थों का सार हैं और पिता

समस्त देवताओं के स्वरूप। इसीलिए, हर प्रकार से पूर्ण यत्न के साथ माता-पिता की सेवा और पूजन करना चाहिए। किंतु विडंबना देखिए कि आज हम धन की अंधी दौड़ में इतने व्यस्त हो चुके हैं कि अपने जीवन की इस अमूल्य निधि का सर्वथा तिरस्कार करने लगे हैं। माता-पिता की सेवा से बढक़र कोई सेवा नहीं है। सरकार ने माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007 जैसे कानून बनाए हैं। पर सवाल यह है कि क्या कानून कागजों पर दम तोड़ रहे हैं? अधिकांश बुजुर्ग या तो इन कानूनों से अनभिज्ञ हैं, या फिर 'घरेलू मामला' और 'समाज में बदनामी' के डर से चुप्पी साध लेते हैं। एक अनुमान के मुताबिक, 31 फीसदी बुजुर्ग प्रतिशोध के भय से शिकायत तक नहीं कर पाते। नतीजतन, अत्याचारियों के हौसले और बुलंद होते जाते हैं। एक जनप्रतिनिधि और समाजसेवक के रूप में, मुझे समाज के हर तबके के बीच जाने का अवसर मिलता है। मेरे पास लोग अपनी पीड़ा लेकर भी आते हैं, और उनकी वेदनाएं सुनकर कभी-कभी हृदय विचलित हो उठता है, आंखें नम हो जाती हैं। सबसे दुखद और हृदय-विदारक दृश्य तब देखने को मिलता है, जब उन्हीं माता-पिता को, जिन्होंने अपना खून-पसीना एक करके, अपने बच्चों को 'काबिल' बनाया, उन्हीं बच्चों द्वारा बुढ़ापे में अपने माता-पिता को एकदम उपेक्षित और दयनीय हालत में छोड़ दिया जाता है। यह सिर्फ एक व्यक्तिगत विफलता नहीं, बल्कि हमारे सामूहिक सामाजिक-सांस्कृतिक पतन का प्रतीक है। यहां सिर्फ कानून का सवाल नहीं, बल्कि हमारी नैतिकता और संस्कारों का संकट है। क्या हमने अपने बच्चों को इतना स्वार्थी और संवेदनहीन बना दिया है कि वे अपने माता-पिता की देखभाल को भी एक सौदा समझने लगे? क्या संपत्ति के लालच ने रिश्तों की डोर इतनी कमजोर कर दी है? हाल में पैसे के लिए भोरंज में एक बेटे ने मां का कत्ल कर दिया। इस सामाजिक कैंसर का इलाज सिर्फ कानून से नहीं, बल्कि एक जनांदोलन से होगा। हमें अपने बच्चों को संपत्ति नहीं, संस्कार देना होगा। बुजुर्गों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना होगा और अपनी संपत्ति को जीते जी बच्चों के नाम करने की भूल नहीं करनी चाहिए। समय आ गया है कि हम इस विषय पर सिर्फ चिंता जताने के बजाय एक जोरदार बहस छेड़ें। सरकार को इन कानूनों का कड़ाई से पालन कराना होगा और हमें, एक समाज के रूप में, अपनी मानवता को फिर से परिभाषित करना होगा। वरना, आंकड़े बताते हैं कि 2050 तक भारत में 32.6 करोड़ वरिष्ठ नागरिक होंगे। सोचिए, अगर आज नहीं चेते, तो उनका और हमारा भविष्य कितना भयावह होगा? हमें तय करना है – क्या हम एक ऐसे समाज का निर्माण करना चाहते हैं जहां बुजुर्ग सुरक्षित और सम्मानित जीवन जी सकें, या फिर हमें एक ऐसे भविष्य को स्वीकार करना है जहां बुढ़ापा एक अभिशाप बनकर रह जाए?

भिटवा में आयोजित विशाल स्वास्थ्य जाँच शिविर में 175 रोगियों का किया गया उपचार

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत लगाया गया शिविर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले भर में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी के साथ स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का भी आयोजन किया जा रहा है। अभियान के तहत ग्राम भिटवा में विशाल स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 175 रोगियों रोगियों का चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार किया गया। शिविर में विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं, वृद्धजन एवं किशोरी बालिकाओं के स्वास्थ्य की जांच कर उनका उपचार किया गया। स्वास्थ्य शिविर में एएनसी जांच, टीबी और कुष्ठ रोगियों की स्क्रीनिंग, हीमोग्लोबिन, शुगर और बीपी की जाँच की गईं। शिविर में 12 आयुष्मान कार्ड बनाए गए और

23 मरीजों को उच्च संस्था के लिए रेफर किया गया। शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ फराह सिद्दीकी, डॉ अखिलेश तिवारी, डॉ अजीत मारको, डॉ रविप्रकाश पाण्डेय, डॉ भागवत यादव, डॉ अपराजिता, डॉ वसीम मंसूरी, डॉ दीपा सिंह तथा डॉ मोहिता पाण्डेय ने अपनी सेवाएं दीं। शिविर में सांसद जनार्दन मिश्र, जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, जनपद अध्यक्ष रीवा संगीता यादव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला मुख्य, खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ सुधाकर पाण्डेय, सेक्टर मेडिकल ऑफिसर डॉ अंजनी पाण्डेय, बीपीएम ज्ञानेंद्र पाण्डेय, बीईई नागेन्द्र मिश्रा, बीसीएम प्रभात शुक्ला तथा समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। शिविर के सफल आयोजन में पूर्व गौ संवर्धन बोर्ड के उपाध्यक्ष राजेश पाण्डेय एवं पूर्व सरपंच शेषमणि पाण्डेय का विशेष सहयोग रहा। शिविर में आए रोगियों द्वारा स्वास्थ्य जाँच शिविर के आयोजन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव तथा उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल का हृदय से आभार व्यक्त किया गया।

मवेशियों को बचाने की कोशिश में दादी-नातिन को आई चोट, बाइक बेकाबू होकर गिरी; ग्रामीणों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले के नईगढ़ी थाना क्षेत्र के सुमेदा गांव के पास शुक्रवार रात करीब 9 बजे सड़क पर अचानक आए आवारा मवेशियों से बचने की कोशिश में बाइक सवार दादी-नातिन घायल हो गई।

घायलों में रुक्मणी यादव (55) और नातिन पूजा यादव (10) शामिल हैं। रुक्मणी बरांव सुकुलान की रहने वाली हैं। मवेशियों को बचाने की कोशिश में बाइक के बेकाबू होकर गिर गई। फिसलने से दोनों को चोटें आई।

ग्रामीणों की मदद से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नईगढ़ी पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने बताया समय पर इलाज मिलने से दोनों की हालत में सुधार हो रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि गांव और मुख्य मार्गों पर आवारा मवेशियों की समस्या आम है। इससे अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने प्रशासन से आवारा मवेशियों की रोकथाम की मांग की है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। आवारा मवेशियों के नियंत्रण करने के लिए नगरपालिका को ध्यान देना चाहिए।

भाजपा ने सेवा पखवाड़ा अंतर्गत चलाया स्वच्छता अभियान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सरदार पटेल बस स्टैंड में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें सांसद जनार्दन मिश्रा, जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता और मंडल अध्यक्ष शिवम द्विवेदी सहित सैकड़ों लोगों ने भाग लिया।

जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि कल, 21 सितंबर 2025 को सुबह 7 बजे एनसीसी मैदान में नमो मैराथन दौड़ का आयोजन होगा। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि महिलाएं, खिलाड़ी, छात्र-छात्राएं और नगरवासी इस दौड़ में अधिक से अधिक भाग लेकर इसे सफल बनाएं।

यह दौड़ एनसीसी मैदान से शुरू होकर कॉलेज चौराहा, शिल्पी प्लाजा, स्टेचू चौराहा, कोठी कंपाउंड, न्यायालय के पीछे से मार्तण्ड स्कूल होते हुए एनसीसी मैदान में समाप्त होगी। सभी का स्वल्पाहार के बाद धन्यवाद ज्ञापित किया जाएगा।

प्री स्कूल के बच्चों संग नगर निगम की मॉकड्रिल

3 हजार लीटर पानी और 20 लीटर फोम की मदद से बुझाई आग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर निगम के फायर विभाग ने शनिवार को फर्स्टक्राई इंटेलिटॉट्स प्री-स्कूल के बच्चों के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन किया। फायर स्टेशन में बच्चों को आपातकालीन स्थिति में किस तरह से मदद के लिए कॉल करना है, इसकी जानकारी दी गई।

मॉक ड्रिल में फायर विभाग की टीम ने तेल में लगी आग बुझाने का प्रदर्शन किया। फायर फाइटर्स ने मॉनिटर और होज़ की सहायता से लगभग 3000 लीटर पानी और 20 लीटर फोम का इस्तेमाल कर आग को नियंत्रित किया। बच्चों ने प्रत्यक्ष रूप से आग बुझाने की प्रक्रिया देखी और समझा कि आपदा के समय फायर ब्रिगेड कैसे लोगों की सुरक्षा करती है।

आपातकालीन सूचना देना सिखाया: बच्चों को मॉक ड्रिल के दौरान बताया गया कि आपात स्थिति में फायर ब्रिगेड को किस तरह कॉल करना है, किन नंबरों पर संपर्क करना चाहिए, और संकट में किस तरह बचाव के उपाय किए जा सकते हैं।

सुरक्षा के प्रति जागरूकता: मॉक ड्रिल का उद्देश्य बच्चों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में सहायक अग्निशमन अधिकारी दीपक सिंह तोमर, स्कूल के शिक्षक, फायरमैन और बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित रहे। बच्चों को शुरुआत से ही आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की जरूरी जानकारी और व्यवहार सिखाया गया।

एक डॉ. के सहारे नईगढ़ी अस्पताल, साढ़े 3 लाख की आबादी बेहाल

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिला अंतर्गत नईगढ़ी की जनसंख्या लगभग 3.5 लाख है, लेकिन स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाली का शिकार है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नईगढ़ी (30 शैय्या अस्पताल) में जहाँ दर्जनों पद स्वीकृत हैं, वर्तमान में केवल 1 डॉक्टर ही पदस्थ है, जिसके सहारे पूरी अस्पताल चल रही है।

जारी की गई सूची के अनुसार, अस्पताल में फिजिशियन, सर्जन, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ, एनेस्थेटिस्ट, दंत चिकित्सक जैसे सभी विशेषज्ञ डॉक्टरों के पद खाली पड़े हुए हैं। 3 स्वीकृत चिकित्सा अधिकारियों में से केवल एक ही कार्यरत है।

नर्सिंग ऑफिसर (10 स्वीकृत, 9 कार्यरत) और एएनएम (35 स्वीकृत, 30 कार्यरत) की स्थिति थोड़ी बेहतर है। लेकिन फार्मासिस्ट, ड्रेसर, वार्ड ब्वॉय और अस्पताल सहायकों के कई पद खाली होने से मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

अगस्त क्रांति मंच के संयोजक कुंज बिहारी तिवारी का कहना है कि इतनी बड़ी आबादी के लिए केवल 1 डॉक्टर होना गंभीर लापरवाही है। मरीजों को प्राथमिक उपचार के बाद रेफर करना मजबूरी बन गई है। ग्रामीणों और समाजसेवी कुंज बिहारी ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि शीघ्र ही डॉक्टरों एवं अन्य स्टाफ की नियुक्ति कर स्वास्थ्य सेवाएँ दुरुस्त की जाएँ।

2 दिन से लापता युवक की नहर में मिली लाश

मिर्गी का था मरीज, पुलिस कर रही थी तलाश; ग्रामीण की नजर पड़ी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के रायपुर कर्चुलियान थाना क्षेत्र में 2 दिन से लापता युवक की लाश शनिवार को नहर में मिली। मृतक की पहचान सतेंद्र कोल(20) निवासी पड़रा के रूप में हुई है। परिजन 48 घंटे से उसकी तलाश कर रहे थे। परिजनों ने बताया कि सतेंद्र रोज की तरह घर से निकला था। लेकिन जब काफी देर तक वापस नहीं लौटा तो उन्होंने तलाश शुरू की। बाद में उसकी गुमशुदगी की सूचना पुलिस को दी गई।

ग्रामीण ने देखी लाश: शनिवार को एक ग्रामीण ने हजरिया बांध की नहर में युवक का शव तैरता हुआ देखा। इसकी जानकारी तुरंत पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा तैयार किया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा।

मिर्गी की बीमारी थी: परिजनों के मुताबिक मृतक सतेंद्र को मिर्गी की बीमारी थी। फिलहाल वह नहर में कैसे डूबा और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह स्पष्ट नहीं है।

पुलिस जांच में जुटी: रायपुर कर्चुलियान थाना पुलिस ने बताया कि शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया है और परिजनों को सौंप दिया गया है। मामले की जांच जारी है, जिसके बाद ही मौत की असली वजह सामने आएगी।

नवरात्रि मेले की सुरक्षा व्यवस्था, अष्टभुजा धाम में सीसीटीवी कैमरे लगे; कंट्रोल रूम से होगी निगरानी

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। ऐतिहासिक अष्टभुजा धाम मंदिर में 22 सितंबर से शुरू होने वाले नवरात्रि मेले की तैयारियां पूरी हो गई हैं। कलेक्टर संजय जैन और पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी ने मंदिर परिसर में सभी संबंधित पक्षों के साथ बैठक की।

मेले की सुरक्षा को लेकर विशेष इंतजाम किए गए हैं। मंदिर प्रांगण, मेला क्षेत्र, वाहन स्टैंड और मूर्ति विसर्जन स्थल पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। मंदिर परिसर में कंट्रोल रूम बनाया गया है। प्रतिपदा से विजयादशमी तक अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कई व्यवस्थाएं की गई हैं। नगर निकाय स्वच्छता और प्रकाश व्यवस्था संभालेगा। बिजली विभाग निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। लोक निर्माण विभाग बैरिकेडिंग की व्यवस्था करेगा।

मूर्ति विसर्जन कगास नदी के देवलहा घाट पर होगा। मऊगंज और रीवा जिले से बड़ी संख्या में मूर्तियां आएंगी। नगर परिषद घाट पर प्रकाश और स्वच्छता की व्यवस्था करेगी। एसपी सोनी ने नशे की हालत में पाए जाने वालों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।

बैठक में नगर परिषद अध्यक्ष नागिता गुप्ता, उपाध्यक्ष विभा शर्मा, रामदयाल शर्मा, रतनलाल मिश्र, एसडीएम राजेश मेहता, एसडीओपी शचि पाठक समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी, व्यापारी और पुजारी उपस्थित थे।

जिला पंचायत की कृषि स्थाई समिति की बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला पंचायत की कृषि स्थाई समिति की बैठक उद्यानिकी विभाग सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के सभापति योगेन्द्र सिंह ने की। सभापति ने कहा कि समिति की बैठक नियमित रूप से आयोजित करें। आगामी फसल की तैयारी के लिए किसानों को खाद और बीज की आपूर्ति सुनिश्चित करें। खाद तथा कीटनाशकों के नमूनों की नियमित जाँच कराकर अमानक पाए जाने पर कड़ी कार्यवाही करें। बैठक में निजी दुकानों से खाद के वितरण, जैविक खेती तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के प्रयासों, फसलों में खाद के संतुलित उपयोग, गौशालाओं के प्रबंधन तथा दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के प्रयासों पर चर्चा की गई। बैठक में समिति के सदस्य जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रणव प्रताप सिंह, समिति के सचिव उप संचालक कृषि यूपी बागरी तथा अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

नगर निगम द्वारा सेवा पखवाड़ा में आयोजित की गई विभिन्न गतिविधियाँ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर निगम द्वारा स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत स्वच्छता और नशा मुक्ति की जागरूकता को लेकर लगातार विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। ''स्वच्छता ही सेवा अभियान'' (स्वच्छोत्सव) के जागरूकता के लिए शहर के विद्यालयों एवं वार्डों में विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आयुक्त डॉ सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार शहर के कई विद्यालयों में स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन किया गया। वार्ड 27 बीएनपी मेमोरियल स्कूल में स्वच्छता संवाद एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के साथ स्वच्छता से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान सिंगल यूज़ प्लास्टिक और पॉलिथीन से होने वाली हानियों की जानकारी दी गई तथा इसके वैकल्पिक उपयोग पर भी प्रकाश डाला गया। विद्यार्थियों को बताया गया कि स्वच्छता केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं बल्कि सामाजिक कर्तव्य है। स्वच्छता से ही देश-प्रदेश और हमारा शहर उच्च स्तर पर अग्रसर हो सकता है। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित विद्यालय के स्टॉफ एवं विद्यार्थियों को नशामुक्ति एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 18 शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मार्तंड क्रमांक एक में स्वच्छता संवाद, नशामुक्त अभियान, स्वच्छता चित्रकला प्रतियोगिता, स्वच्छता निबंध, सिंगल यूज प्लास्टिक के विषय में वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के अंत मे नशामुक्ति एवं स्वच्छता शपथ दिलाई गई। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 18 आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल में स्वच्छता संवाद कर स्वच्छता एवं नशामुक्त अभियान के बारे में जानकारी दी गई। सभी आयोजनों में विद्यालय का सम्पूर्ण स्टाफ, विद्यार्थी एवं आईईसी टीम ने सक्रिय रूप से उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

जिले में 430 किसानों को बांटी गयी 52.23 मीट्रिक टन यूरिया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के डबल लॉक केन्द्रों तथा सहकारी समितियों से किसानों को यूरिया खाद दी जा रही है। वितरण केन्द्रों में किसानों को ऋण पुस्तिका के आधार पर टोकन दिया जाता है। टोकन में दर्ज दिनांक को किसान निर्धारित मात्रा में खाद संबंधित केन्द्रों से प्राप्त कर रहे हैं।

जिले में 20 सितम्बर को डबल लॉक केन्द्रों के माध्यम से 430 किसानों को 52.23 मीट्रिक टन यूरिया खाद का वितरण किया गया। डबल लॉक केन्द्र उमरी में चाकघाट में 188 किसानों को 26 मीट्रिक टन तथा गुढ़ में 42 किसानों को 26.23 मीट्रिक टन यूरिया खाद का वितरण किया गया।

200 रु. चोरी, छात्र को बेल्ट-पाइप से पीटा, 9वीं के स्टूडेंट को 4 सीनियर्स ने मारा, केस दर्ज; नर्मदापुरम के एकलव्य स्कूल की घटना

नर्मदापुरम,एजेंसी। नर्मदापुरम जिले के केसला ब्लॉक स्थित आदर्श एकलव्य आवासीय विद्यालय भड़गदा के हॉस्टल में सीनियर छात्रों ने 9वीं कक्षा के छात्र की बेरहमी से पिटाई कर दी। घटना गुरुवार देर रात की है, जो अब सामने आई है। आरोप है कि 200 रुपए चोरी के शक में 11वीं और 12वीं कक्षा के चार छात्रों ने जूनियर छात्र को बेल्ट और पाइप से मारा। पीड़ित की पीठ पर चोट के निशान आ गए। केसला पुलिस ने शुक्रवार रात चार छात्रों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

पीड़ित छात्र राकेश (बदला नाम) ने बताया कि रात 12 बजे उसे छात्रावास के रजिस्टर में हस्ताक्षर करने के लिए बुलाया गया। वहां एक सीनियर छात्र ने उस पर 200 रुपए चोरी करने का आरोप लगाया। इसके बाद बेल्ट और पाइप से पिटाई की गई। छात्र ने कहा- जब मैंने रोना शुरू किया तो चौकीदार सुरेश धुर्वे पहुंचे और मुझे बचाया। फिर वार्डन अरविंद सर को सूचना दी। रात में ही उन्होंने मुझसे पूरी बात पूछी और शरीर पर चोट के निशान देखे। शुक्रवार को परिजन को जानकारी लगी तो वे छात्रावास गए और बेटे को लेकर थाने पहुंचे। पीड़ित छात्र व परिजन एफआईआर कराने पर अड़े रहे जबकि स्कूल प्रिंसिपल और स्टाफ के लोग थाने पहुंचकर उन्हें रोकने की कोशिश करते रहे।

छात्र बोला- चोरी का आरोप लगाकर पीटा: पीड़ित छात्र ने बताया कि वह कक्षा 6वीं से स्कूल में पढ़ रहा है। गुरुवार रात करीब 11:30 बजे वह छात्रावास के 207 नंबर कमरे में सो रहा था। तभी रूम नंबर 111 में रहने वाले एक सीनियर छात्र उसे एक समिति के रजिस्टर पर हस्ताक्षर करने के बहाने अपने साथ ले गए। वहां चार सीनियर छात्रों ने उस पर पैसे चोरी करने का आरोप लगाया और मारपीट शुरू कर दी। पिटाई के दौरान छात्र बेहोश हो गया। होश

आने पर उसने कहा कि उसने पैसे नहीं चुराए हैं, फिर भी सीनियर्स उसे पाइप और बेल्ट से पीटते रहे। चौकीदार सुरेश ने किसी तरह उसे बचाया। उसने वार्डन को रात में पूरी घटना बताई, लेकिन अगले दिन भी वार्डन ने कोई कार्रवाई नहीं की।

प्रबंधन पर मामला दबाने का आरोप: पीड़ित छात्र के परिजन और आदिवासी समाज के लोगों ने आरोप लगाया कि घटना की पूरी जानकारी वार्डन और प्राचार्य को दी गई थी। बावजूद इसके, प्राचार्य ने छात्र का इलाज कराने के बजाय मामले को नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि देखते हैं और छात्र को वापस छात्रावास भेज दिया। परिजन का कहना है कि स्कूल प्रबंधन ने उन्हें बेटे के साथ हुई मारपीट की जानकारी नहीं दी। जब पीड़ित छात्र ने खुद फोन कर घटना बताई, तभी परिवार को इसका पता चला और वे स्कूल पहुंचे।

पुलिस ने 4 सीनियर छात्रों के खिलाफ केस दर्ज किया: जूनियर से मारपीट करने वाले चारों सीनियर छात्र छात्रावास से लापता हैं। पीड़ित छात्र के परिजनों ने आरोप लगाया कि स्कूल प्रबंधन ने उन्हें जानबूझकर भगा दिया। केसला थाना प्रभारी उमाशंकर यादव ने बताया कि 9वीं कक्षा के छात्र के साथ 4 सीनियर छात्रों ने मारपीट की है। उनके खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। वहीं, स्कूल का पक्ष जानने को कोशिश की तो स्कूल प्राचार्य मीनू नागर का मोबाइल स्विच ऑफ मिला, जबकि वार्डन अरविंद सिंह ने कोई कमेंट नहीं किया।

ड्राइवर पर बंदूक तानकर अमेजन कंपनी का कंटेनर लूट

लुटेरा बोला- शांत हो जा, कुछ नहीं करेंगे, चिल्लाया तो गोली मार दूंगा

सागर, एजेंसी। सागर में लुटेरों ने अमेजन कंपनी के माल से भरा कंटेनर लूट लिया। लुटेरों ने ड्राइवर पर बंदूक तान दी। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की। एक बदमाश ने धमकाते हुए कहा- बिलकुल शांत हो जा, हम कुछ नहीं करेंगे, चिल्लाया तो गोली मार देंगे।

घटना 16-17 सितंबर की दरमियानी रात 2 बजे की है। एफआईआर 17 सितंबर को गौरझामर थाने में दर्ज कराई। वारदात का वीडियो 20 सितंबर को सामने आया है। गुड़गांव से नागपुर जा रहा कंटेनर नेशनल हाईवे-44 से गुजर रहा था। तभी लूटेरों ने वारदात को अंजाम दिया। आरोपी कंटेनर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए।

आरोपी नरसिंहपुर जिले के मुंगवानी में ड्राइवर को छोड़कर भाग गए। मुंगवानी पुलिस ने शिकायत दर्ज कर ली है। ड्राइवर को मारपीट के दौरान चोटें आई हैं।

लुटेरों ने ड्राइवर को किस तरह बंधक बनाया, देखें :कंटेनर में लगा है तक्क और सीसीटीवी एफआईआर के अनुसार, बिहार का रहने वाला ड्राइवर दीपचंद अवध पटेल ने बताया कि वह गुड़गांव की एसएस लॉजिस्टिक कंपनी में नौकरी करता है। 16 सितंबर की सुबह 4 बजे उसने अमेजॉन कंपनी का माल कंटेनर में भरकर नागपुर के लिए निकला था। गाड़ी में जीपीएस और सामने की ओर सीसीटीवी कैमरा लगा है, जिसका एक्सेस कंपनी के पास है।

सिलारपुर के पास हाईवे पर रोका कंटेनर: 16-17 सितंबर की दरमियानी रात करीब 2 बजे ग्राम सिलारपुर में दीपचंद के आगे चल रहे कंटेनर ने अचानक ब्रेक लगा दिया। उसे गाड़ी रोकनी पड़ी। तभी सामने वाले कंटेनर से चार लोग बाहर निकले और दीपचंद के कंटेनर में चढ़ गए। लुटेरों ने उसके हाथ-पैर बांध दिए और बंदूक दिखाकर धमकाया। उससे मारपीट की और मोबाइल छीन लिया।

कटर मशीन से काटा और माल शिफ्ट किया: आरोपियों ने रास्ते में दो जगह कंटेनर रोका। कटर मशीन से केबिन के अंदर की चद्दर काटी और गाड़ी में रखा माल दूसरे कंटेनर में शिफ्ट कर लिया। ड्राइवर ने बताया कि उसे नहीं पता कि कितना सामान चोरी किया गया है। वारदात के दौरान आरोपी ही उसका कंटेनर चला रहे थे।

मुंगवानी में छोड़कर फरार हुए बदमाश: 17 सितंबर की सुबह करीब 5 बजे नरसिंहपुर जिले के मुंगवानी में आरोपी ड्राइवर दीपचंद को कंटेनर समेत छोड़कर फरार हो गए। ड्राइवर ने किसी तरह हाथ-पैर खोले और बाहर निकलकर पुलिस को सूचना दी। इसके बाद गाड़ी मालिक ने कंटेनर के सीसीटीवी फुटेज चेक किए।

पत्नी और साथी पर आत्महत्या के लिए उकसाने का केस, गैरेज संचालक फांसी के फंदे पर मिला था; पत्नी-बेटियों की तलाश में निकला था

रतलाम, एजेंसी। रतलाम जिले के नामली के गैरेज संचालक जीवन दास बैरागी का शव 13 सितंबर की शाम महू-नीमच फोरलेन रोड पर ग्राम सरवड़ जमुनिया के पास पेड़ से लटका मिला था। पुलिस ने जांच के बाद जीवनदास की पत्नी माया बैरागी और उसके साथी कारु उर्फ आशाराम भूरिया को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मृतक के परिजनों ने पहली ही दिन हत्या की आशंका जताई थी। पुलिस ने मृतक के भाई और अन्य रिश्तेदारों के बयान लिए। जांच में सामने आया कि जीवनदास की पत्नी माया बैरागी के डोसीगांव फैक्ट्री में साथ काम करने वाले कारु उर्फ आशाराम भूरिया

(निवासी सनावदा, रतलाम) से संबंध थे।

पत्नी बच्चों को लेकर घर से चली गई थी: माया बैरागी 3 सितंबर को अपनी तीन बेटियों को लेकर घर छोड़कर चली गई थी। इसी बात से जीवनदास बहुत परेशान हो गया था। उसने घरवालों को बताया था कि वह माया और उसके प्रेमी आशाराम से काफी परेशान है।

मौत से 3 दिन पहले कही थी बात: 10 सितंबर को जीवनदास ने घरवालों से कहा था कि ÷माया मेरी बच्चियों को ले गई है। मैं उन्हें ढूंढकर घर वापस लाऊंगा। मैं दोनों से बहुत परेशान हो गया हूं।÷

शव मिलने के बाद अगले दिन परिजनों ने पोस्टमार्टम के बाद शव को एंबुलेंस में रखकर नामली थाने पर जांच की मांग भी की थी।

बिलपांक थाना प्रभारी अयुब खान ने बताया कि मृतक की पत्नी माया बैरागी और उसके प्रेमी कारु उर्फ आशाराम भूरिया को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

खंडवा में नाबालिग से रेप के दो मामले, एक में आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा; दूसरे केस में 20 साल की सजा

खंडवा, एजेंसी। खंडवा जिले में नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने नया केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना मूंदी पुलिस के मुताबिक, 17 सितंबर को 16 वर्षीय छात्रा से दुष्कर्म की वारदात हुई थी। आरोपी रोशन पिता करणसिंह भिलाला (20) निवासी पालसूदमाल घटना के बाद फरार हो गया था। उसके खिलाफ दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट में केस दर्ज किया गया। शुक्रवार को पुलिस ने आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

हरसूद कोर्ट ने सुनाई 20 साल की सजा: इधर, हरसूद कोर्ट ने आठवीं कक्षा की छात्रा से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को 20 साल की कैद की सजा सुनाई है। यह फैसला डीएनए रिपोर्ट के आधार पर दिया गया। मामला 24 मार्च 2025 की रात का है, जब आरोपी वीरेंद्र पिता गंगाराम (21) निवासी ग्राम डाबिया ने नाबालिग से दुष्कर्म किया था।

डीएनए रिपोर्ट बनी सबूत:विशेष लोक अभियोजक अनिल कुमार चौहान ने बताया कि खालवा पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में अभियोग पत्र पेश किया था। छह महीने चली सुनवाई के बाद कोर्ट ने आरोपी को दोषी मानते हुए 20 साल की सजा सुनाई। फैसला सुनाते समय कोर्ट ने कहा कि डीएनए रिपोर्ट में आरोपी की करतूत साबित हो गई।

ज्योतिनगर में बन रहा बालाजी जैसा माता मंदिर, 71 फीट ऊंचा होगा शिखर, नवरात्रि में होगी प्रतिमा की स्थापना

खरगोन, एजेंसी। खरगोन के ज्योतिनगर में तिरुपति बालाजी मंदिर की तर्ज पर माताजी का भव्य दरबार बन रहा है। मंदिर का शिखर 71 फीट की ऊंचाई पर स्थापित किया जाएगा।

ज्योतेश्वर महादेव मंदिर परिसर में 50 से अधिक कुशल कारीगर पिछले एक माह से इस दरबार का निर्माण कर रहे हैं। माता के दरबार के सामने 40×40 फीट का विशेष गरबा मंच का निर्माण किया जा रहा है। 22 सितंबर को यहां माता की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। नौ दिनों तक गरबा के माध्यम से माता की आराधना की जाएगी।

उत्सव समिति के अध्यक्ष इंजीनियर नीतिन मालवीय ने बताया कि यह समिति का 11वां वर्ष है। इस वर्ष तिरुपति बालाजी मंदिर की तर्ज पर मातारानी का पंडाल तैयार किया जा रहा है। नवरात्रि के दौरान विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

समिति सदस्य दिलीप सोनी के अनुसार, पंडाल के साथ 30×18 फीट का एक अतिरिक्त गरबा मंच भी बनाया जा रहा है। इस मंच पर 50 से अधिक महिलाएं और युवतियां एक साथ गरबा आराधना कर सकेंगी।

उज्जैन में काजल हिंदुस्तानी बोलीं- एमपी लव जिहाद का हॉट-स्पॉट, लड़कियां गरबे में बैकलेस, डीप-नेक चोली न पहने; नवरात्रि में जिहादी ताक पर रहते हैं

उज्जैन,एजेंसी। उज्जैन के कालिदास अकादमी में शुक्रवार को विश्व हिंदू परिषद की मातृ शक्ति दुर्गावाहिनी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गुजरात की हिंदुवादी नेत्री काजल हिंदुस्तानी ने 300 से अधिक महिलाओं को संबोधित किया। हिंदुत्व से जुड़े अपने बयानों के चलते विवादों में रहने वाली काजल ने कार्यक्रम में लव जिहाद समेत अन्य सामाजिक मुद्दों पर अपने विचार रखे।

काजल हिंदुस्तानी ने कहा: मध्य प्रदेश लव जिहाद का हॉट स्पॉट बन रहा है। इंदौर, भोपाल में हाल ही में ऐसी कई घटना हुई है। जिसकी फंडिंग की जा रही है। उन्होंने इससे खतरा बताते हुए धर्म और संस्कृति की रक्षा पर जोर दिया। उन्होंने गरबे में लड़कियों के बैकलेस और डीप-नेक चोली पहनकर आने पर भी आपत्ति जताई। विहिप जिलाध्यक्ष राजेश आंजना ने बताया कि संगोष्ठी में मातृ शक्ति बड़ी संख्या में शामिल

हुई और धर्म-संस्कृति पर हो रहे लगातार प्रहारों को लेकर चर्चा की गई।

एमपी लव जिहाद का हॉट स्पॉट: काजल हिंदुस्तानी ने कहा- मध्य प्रदेश लव जिहाद का हॉट स्पॉट बनता जा रहा है। उन्होंने इंदौर और भोपाल में हाल ही में सामने आई घटनाओं और छंगूर बाबा मामले का जिक्र करते हुए कहा कि इस तरह के कई ÷छंगूर बाबा÷ बाहर घूम रहे हैं, ये ऑर्गनाइज्ड क्राइम कर रहे हैं। जिसकी फंडिंग की जा रही है और इसके कनेक्शन आतंकवाद के साथ हैं।

नवरात्रि पंडाल में बोर्ड लगाए, सुअरों का प्रवेश निषेध: काजल हिंदुस्तानी ने कहा कि नवरात्रि में मुस्लिम जिहादी लड़के ताक में रहते हैं कि किसी तरह झूठी पहचान बनाकर गरबा पंडाल में घुसें और हमारी बहन-बेटियों को प्रेमजाल में फंसाएं। इसलिए नवरात्रि पंडाल में बोर्ड लगाएं कि सुअरों का प्रवेश निषेध है। उन्होंने कहा कि आईडी चेक करना चाहिए, मोबाइल हिस्ट्री और चैट भी देखी जानी चाहिए। इससे बहनों में जन-जागरण होगा और बेटियां लव जिहाद का शिकार नहीं होंगी।

गरबे में बैकलेस, डीप-नेक चोली में न आएं: काजल हिंदुस्तानी ने आरोप लगाया कि गरबे में कई लड़कियां बैकलेस और डीप-नेक चोली पहनकर आ रही हैं। बॉलीवुड गानों पर गरबे कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह का गरबा गलत है।

नवरात्रि की तैयारियां अंतिम चरण मे, शहर में 70-75 स्थानों पर प्रतिमाएं स्थापित होंगी, 15 फीट तक की प्रतिमाएं तैयार

रायसेन,एजेंसी। रायसेन शहर में शारदीय नवरात्रि की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। नगर में करीब 70 से 75 स्थानों पर मां जगदंबे की प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। मूर्तिकार प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में लगे हैं, वहीं झांकी समितियों के सदस्य पंडाल तैयार कर रहे हैं। शहर के 5 प्रमुख स्थानों पर 5 से 15 फीट ऊंची माता की विभिन्न रूपों की प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं। रामलीला मैदान स्थित खेड़ापति बंगाली मूर्ति कला केंद्र में मूर्तिकार रवि प्रजापति शारदीय प्रतिमा के साथ ही 14 फीट ऊंची भगवान शंकर और माता पार्वती की प्रतिमाएं भी तैयार कर रहे हैं। उनके केंद्र पर कुल 25 प्रतिमाएं बनाई जा रही हैं।

पाटन देव में 80 से अधिक प्रतिमाएं तैयार: पाटन देव में मूर्तिकार तुलसी प्रजापति द्वारा माता के विभिन्न सुंदर रूपों की प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं। इसमें 15 फीट ऊंची मां काली की प्रतिमा और राक्षसों का संहार करती माता की प्रतिमा प्रमुख हैं। यहां 80 से अधिक प्रतिमाएं बनाई जा रही हैं। स्थापना में कम दिन शेष होने के कारण मूर्तिकार दिन-रात काम में जुटे हैं।

दशहरे मैदान और अन्य स्थानों पर भी पंडाल तैयार:

दशहरे मैदान में भी माता की प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं। शहर के गंज बाजार, रामलीला मैदान और अर्जुन नगर में मां काली की प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। इसके अलावा दुर्गा चौक, महामाया चौक, सागर तिराहा, शासकीय पीएम श्री एक्सीलेंस कॉलेज परिसर, पाटन देव हनुमान मंदिर के पास, लोक निर्माण विभाग, कलेक्ट्रेट कॉलोनी और तालाब मोहल्ला सहित अन्य स्थानों पर भी पंडाल तैयार किए जा रहे हैं।

मंदिरों में विशेष तैयारियां और सफाई अभियान: माता के मंदिरों में भी विशेष तैयारियों के साथ सफाई अभियान चलाया जा रहा है। समितियां पंडाल सजावट और प्रतिमाओं की स्थापना में अंतिम दौर में जुटी हैं ताकि नवरात्रि पर्व पूरी धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया जा सके।

डिंडोरी में 11वीं की छात्रा को धर्म बदलने का दबाव : नाबालिग ने दो बार की जान देने की कोशिश, पंक्चर बनाने वाला साहिल घर में फेंकता है बिरयानी

डिंडौरी, एजेंसी। डिंडोरी में एक नाबालिग छात्रा के परिवार ने स्थानीय थाने में शिकायत दर्ज कराई है। परिवार का आरोप है कि एक मुस्लिम युवक उनकी बेटी को धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित कर रहा है। पीड़ित परिवार ने बताया कि उनकी बेटी 11वीं कक्षा की छात्रा है। आरोपी साहिल अली पंक्चर की दुकान में काम करता है। वह छात्रा का मानसिक शोषण कर रहा है। इसके कारण लड़की की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। परिवार ने बताया कि आरोपी छत से घर में बिरयानी फेंक कर चला जाता है। इस स्थिति से परेशान होकर लड़की ने दो बार आत्महत्या का प्रयास किया।

विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष जितेंद्र विश्वकर्मा और अजय बर्मन ने पीड़ित परिवार के साथ थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि वे इस मामले को मुख्यमंत्री के संज्ञान में भी लाएंगे।

थाना प्रभारी दुर्गा प्रसाद नगपुरे ने कहा कि शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

साथी छात्र छात्राओं ने कराई दोस्ती: नाबालिग की मां का कहना है कि हमको तो 15 दिन पहले पता चला कि उस युवक के संपर्क में है। जो चार लोगों का नंबर पुलिस को दिया है उसमें दो लड़कियां है और दो लड़के वो भी मुस्लिम समाज के है। हमें शंका है कि इन्हीं लोगों ने साहिल से दोस्ती करवाई होगी।

कुबेरेश्वर धाम समिति पर सख्त कार्रवाई की मांग, अगस्त की घटना में मृत महिला के परिजन एसपी से मिले, बोले- हमारी आर्थिक हालत खराब हो चुकी

सीहोर, एजेंसी। सीहोर में कुबेरेश्वर धाम में रुद्राक्ष वितरण कार्यक्रम के दौरान हुई भगदड़ में जान गंवाने वाली फिरोजाबाद की महिला के परिवार ने प्रशासन और आयोजन समिति से न्याय की गुहार लगाई है। शुक्रवार को परिवार पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा और आर्थिक सहायता के साथ-साथ घटना के लिए जवाबदेही तय करने की मांग की।

बता दें कि बीते अगस्त महीने में कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के कुबेरेश्वर धाम में रुद्राक्ष वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस दौरान प्रांगण में भगदड़ मच गई थी, जिसमें दो महिलाओं की मौत हो गई। मृतकों में से एक महिला उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद की निवासी थी।

साथ ही 6 अगस्त को कुबेरेश्वर धाम में कांवड़ यात्रा भी आयोजित की गई थी। देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे, जिससे घंटों ट्रैफिक

जाम और अव्यवस्थाएं फैल गईं। इस वजह से तीन दिनों के भीतर कुल सात श्रद्धालुओं की जान चली गई थी।

आयोजन समिति पर कठोर कार्रवाई की मांग

फिरोजाबाद से आए परिवार ने पुलिस अधीक्षक को लिखित आवेदन सौंपा है। इसमें उन्होंने आर्थिक सहायता प्रदान करने और आयोजन समिति के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। परिवार का आरोप है कि अब तक घटना के लिए किसी की जवाबदेही तय नहीं की गई।

पीड़िता की बेटी, मानसी गुप्ता ने बताया, ÷5 अगस्त को मेरी मां संगीता गुप्ता कुबेरेश्वर धाम पर रुद्राक्ष वितरण कार्यक्रम में आई थीं। लापरवाही के कारण भगदड़ मची और मेरी मां की मौत हो गई। हमारे परिवार की आर्थिक स्थिति खराब हो गई है। बावजूद इसके धाम प्रबंधन और प्रशासन से कोई मदद नहीं मिली। हमने सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत की है।÷

मानव अधिकार आयोग ने मांगा था जवाब: मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने 6 अगस्त को सीहोर एसपी और कलेक्टर से पूरी जांच रिपोर्ट 15 दिनों के भीतर मांगी थी। आयोग ने भगदड़ के दौरान भीड़ प्रबंधन,

घायलों के इलाज और मृतकों को दी गई आर्थिक सहायता के बारे में जानकारी मांगी थी। पीड़ित परिवार का आरोप है कि डेढ़ माह बीत जाने के बावजूद न तो आर्थिक सहायता मिली और न ही जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई हुई।

टीआई सुनील मेहर ने कहा कि कुबेरेश्वर धाम में हुई मौत के मामले में मर्ग कायम है और बयान लिए जा रहे हैं। जांच अभी जारी है।

छतरपुर में फर्जी सिम रैकेट के पास मिले 1220 सिम, ग्राहकों के नाम पर खरीदे सिम, आरोपी गिरफ्तार, एक लैपटॉप, 13 मोबाइल फोन जब्त

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर पुलिस ने ऑपरेशन FAST के तहत फर्जी सिम कार्ड रैकेट का एक और आरोपी पकड़ा है। लवकुशनगर के रहने वाले लवकेश चौरसिया को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपी के पास से पुलिस ने 1220 सिम कार्ड बरामद किए हैं। इसके अलावा एक लैपटॉप, 13 मोबाइल फोन, 6 मोबाइल चार्जर और एटीएम कार्ड भी जब्त किए गए हैं।

लोगों के आधार और अंगूठे के निशान का कर रहा था उपयोग

पुलिस अधीक्षक अगम जैन के निर्देश पर 15 सदस्यीय विशेष टीम ने यह कार्रवाई की। जांच में पता चला कि कुछ POS धारक ग्राहकों के आधार कार्ड और अंगूठे के निशान का दुरुपयोग कर फर्जी सिम सक्रिय कर रहे थे। इन सिम का इस्तेमाल अन्य राज्यों में साइबर ठगी के लिए किया जाता था।

आरोपी लवकेश ने पूछताछ में बताया कि वह फर्जी सिम खरीदकर साइबर अपराधियों को बेचता था। इससे पहले इस मामले में संगीता कुशवाहा, मुकेश पटेल, अभिषेक पाठक और जीतेन्द्र कुमार त्रिपाठी को

गिरफ्तार किया जा चुका है।

लोगों से सावधानी रखने की अपील

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सिम कार्ड केवल अधिकृत विक्रेताओं से खरीदें। सिम खरीदते या पोर्ट कराते समय अपने दस्तावेजों का सावधानीपूर्वक इस्तेमाल करें।

जैतपुर में मवेशी तस्करी का प्रयास विफल:पुलिस ने जंगल से बरामद किए 5 मवेशी, आरोपी फरार

शहडोल, एजेंसी। शहडोल के जैतपुर क्षेत्र में पुलिस ने मवेशी तस्करी के प्रयास को विफल कर दिया है। झींक बिजुरी के नवा टोला जंगल से पुलिस ने पांच मवेशियों को बरामद किया है।

पुलिस को मवेशी तस्करी की सूचना मिलने पर टीम ने कार्रवाई की। जंगल के रास्ते जा रहे तस्करों का पीछा किया गया। तस्कर पुलिस को देखकर भागने में सफल रहे।

उप निरीक्षक रामपाल वर्मा के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। टीम में आरक्षक इंद्र बहादुर, बलदेव लालमन और एजाज खान शामिल थे।

एशिया कप : लड़कर हारी ओमान

21 रन से जीती भारतीय टीम

भारत के लिए हार्दिक, हर्षित, कुलदीप और अर्शदीप ने 1-1 विकेट लिए

भारतीय क्रिकेट टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट के नुकसान पर 188 रन बनाए थे। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला लिया था। टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 6 के स्कोर पर शुभमन गिल के रूप में पहला झटका लगा। इसके बाद अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने दूसरे विकेट के लिए 66 रन की तेज साझेदारी की। 72 के स्कोर पर भारत को दूसरा झटका अभिषेक शर्मा के रूप में लगा। अभिषेक 15 गेंद पर 2 छक्के और 5 चौके की मदद से 38 रन बनाकर आउट हुए। हार्दिक पांड्या 1 और शिवम दुबे 5 रन बनाकर आउट हुए। अक्षर पटेल ने 13 गेंद पर 26 रन बनाए। संजू सैमसन ने अपना अर्धशतक पूरा किया। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे सैमसन ने 45 गेंद पर 3 चौके और 3 छक्के लगाते हुए 56 रन की पारी खेली। तिलक वर्मा ने 18 गेंद पर 29 रन की पारी खेली। कप्तान सूर्यकुमार यादव अन्य खिलाड़ियों को बल्लेबाजी का मौका देने के उद्देश्य से क्रीज पर नहीं उतरे। उन्होंने हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव को भी बल्लेबाजी के लिए भेजा। हर्षित 8 गेंद पर 13 और कुलदीप 3 गेंद पर 1 रन बनाकर नाबाद रहे। ओमान की तरफ से शाह फैसल ने 2, जितेंद्र रामानंदी ने 23 और आमिर कलीम ने 2 विकेट लिए। भारत ने इस जीत के साथ ग्रुप ए में शीर्ष पर रहते हुए एशिया कप सुपर4 में जगह बनाई। भारत ने पाकिस्तान, यूएई और ओमान के खिलाफ अपने मैच जीते।

अबू धाबी, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने शेख जायद स्टेडियम, अबू धाबी में खेले गए एशिया कप के ग्रुप स्टेज के अपने आखिरी मुकाबले में ओमान को 21 रन से हरा दिया।

ओमान इस मैच में हारी जरूर लेकिन उनके बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजों की कड़ी परीक्षा ली। अगर कप्तान जतिंदर की पारी धीमी नहीं होती, तो शायद परिणाम कुछ और हो सकता था। 189 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओमान के सलामी बल्लेबाजों कप्तान जतिंदर सिंह और आमिर कलीम ने मजबूत शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 8.3 ओवर में 56 रन जोड़े। कप्तान जतिंदर 33 गेंद पर 32 रन बनाकर कुलदीप यादव का शिकार बने। इसके बाद आमिर कलीम और हम्माद मिर्जा ने दूसरे विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी की।

यह जोड़ी भारत के लिए खतरनाक दिख रही थी, लेकिन हर्षित राणा ने कलीम को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी। वह 46 गेंद पर 2 छक्के और 7 चौके की मदद से 64 रन बनाकर आउट हुए। हम्माद मिर्जा ने भी अर्धशतक लगाया। वह 33 गेंद पर 51 रन बनाकर हार्दिक पांड्या का शिकार बने। अर्शदीप ने विनायक शुक्ला को आउट कर टी20 अंतर्राष्ट्रीय में अपना 100वां विकेट लिया। ओमान ने 4 विकेट पर 167 रन बनाए और 21 रन से मैच हारी।

BCCI अध्यक्ष पद की दौड़ में सौरव गांगुली, ये नाम भी सबसे आगे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) 28 सितंबर को मुंबई में होने जा रही है। ऐसे में बोर्ड के अध्यक्ष पद की दौड़ अब कुछ नामचीन शख्सियत तक ही सीमित रह गई है।

निर्वाचन अधिकारी एके जोति की ओर से 19 सितंबर को जारी अंतिम मतदाता सूची में चार पूर्व क्रिकेटर और प्रशासक शामिल हैं।

सौरव गांगुली (बंगाल क्रिकेट संघ), हरभजन सिंह (पंजाब क्रिकेट संघ), रघुराम भट्ट (कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ) और जयदेव शाह (सौराष्ट्र क्रिकेट संघ) को शीर्ष पद की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा है। इनकी मौजूदगी ने दुनिया के सबसे अमीर क्रिकेट निकाय का नेतृत्व क्रिकेटर-प्रशासकों से करने की मांग को और मजबूत कर दिया है।

पूर्व भारतीय विकेटकीपर और पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता किरण मोरे ने इसमें नया मोड़ ला दिया है। वह वर्तमान में बड़ौदा क्रिकेट संघ के सचिव हैं। हालांकि, उन्हें रोल में राज्य प्रतिनिधि के रूप में सूचीबद्ध नहीं किया गया है। सूत्रों के अनुसार, उनकी नामांकन की संभावना बनी हुई है।

किरण मोरे ने मुंबई इंडियंस के साथ भी काम किया है। वह वर्तमान में विमेंस प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस विमेंस टीम के जनरल मैनेजर हैं। मोरे को क्रिकेट और प्रशासन दोनों में अनुभव और विशेषज्ञता रखने वाला माना जाता है।

कुछ समय पहले अटकलें लगाई जा रही थीं कि पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर इस पद में रुचि ले सकते हैं, लेकिन इस दिग्गज क्रिकेटर ने तमाम अटकलों को खारिज कर दिया।

उम्र का असर नहीं! आमिर कलीम ने एशिया कप में रच दिया इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 में शुक्रवार को भारत के खिलाफ ओमान के सलामी बल्लेबाज आमिर कलीम ने अर्धशतकीय पारी खेली। आमिर ने यह कारनामा

43 साल 303 दिन की उम्र में किया। इसी के साथ वह टी20 फॉर्मेट के एशिया कप में अर्धशतक जड़ने वाले सबसे उम्रदराज बल्लेबाज बन गए।

आमिर कलीम ने मोहम्मद नबी को इस मामले में पछाड़ा है, जिन्होंने एक दिन पहले ही श्रीलंका के विरुद्ध 22 गेंदों में 60 रन बनाए थे। अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी ने 40 साल 260 दिन की उम्र में आबू धाबी में यह पारी खेली। इस लिस्ट में तीसरे पायदान पर श्रीलंका के तिलकरत्ने दिलशान हैं, जिन्होंने साल 2016 में पाकिस्तान के खिलाफ मीरपुर में नाबाद 75 रन की पारी खेली थी। उस समय दिलशान 39 साल और 142 दिन के थे।

आबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी चुनते हुए 8 विकेट खोकर 188 रन बनाए।

टीम इंडिया के लिए संजू सैमसन ने 45 गेंदों में 3 छक्कों और 3 चौकों के साथ 56 रन की पारी खेली। उनके अलावा अभिषेक शर्मा ने 15 गेंदों में 38 रन बनाए। वहीं, तिलक वर्मा ने टीम के खाते में 29 रन का योगदान दिया। ओमान की तरफ से शाह फैसल, जितेन रामानंदी और आमिर कलीम ने 2-2 विकेट हासिल किए।

इसके जवाब में ओमान की टीम निर्धारित ओवरों में 4 विकेट खोकर सिर्फ 167 रन ही बना सकी।

टीम के लिए आमिर कलीम ने 46 गेंदों में 2 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 64 रन बनाए। उनके अलावा हम्माद मिर्जा ने 33 गेंदों में 51 रन की पारी खेली।

भारत की तरफ से हार्दिक पांड्या, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और कुलदीप यादव ने 1-1 शिकार किया।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉकी इंडिया ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए 23 सदस्यीय भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी है, जिसकी कमान ज्योति सिंह के हाथों में है। ये मुकाबले 26 सितंबर से 2 अक्टूबर तक कैनबरा के नेशनल हॉकी सेंटर में खेले जाएंगे।

भारतीय जूनियर महिला टीम इस दौरे पर कुल पांच मैच खेलेगी। भारतीय टीम के शुरुआती तीन मुकाबले ऑस्ट्रेलिया जूनियर महिला टीम के खिलाफ होंगे, जिसके बाद दो मैच ऑस्ट्रेलिया की हॉकी वन लीग की क्लब टीम कैनबरा चिल के खिलाफ खेले जाने हैं।

कप्तान ज्योति सिंह ने इस साल की शुरुआत में एफआईएच हॉकी प्रो लीग के दौरान सीनियर टीम में जगह बनाई थी। उनकी इस टीम में डिफेंडर, मिडफील्डर और फॉरवर्ड खिलाड़ियों का संतुलित मिश्रण है।

गोलकीपिंग की जिम्मेदारी निधि और एंगल हर्षा रानी मिंज को सौंपी गई है।

डिफेंडर में मनीषा, ज्योति सिंह (कप्तान), लालथंतलुआंगी, ममिता ओरम, साक्षी शुक्ला, पूजा साहू और नंदिनी पर निर्भर करेगी।

मिडफील्डर में प्रियंका यादव, साक्षी राणा, खैदेम शिलेइमा चानू, रजनी केरकेट्टा, बिनिमा धन, इशिका, सुनीता टोप्पो और अनीशा साहू जैसी प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल होंगी। वहीं, फॉरवर्ड लाइन में लालरिनपुई, निशा मिंज, पूर्णिमा यादव, सोनम, कनिका सिवाच और सुखवीर कौर शामिल हैं। यह सीरीज दिसंबर में चिली के सैंटियागो में होने वाले एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप 2025 से पहले भारतीय टीम के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

टीम के चयन को लेकर भारतीय जूनियर महिला टीम के कोच तुषार खांडेकर ने कहा, ÷यह युवा खिलाड़ियों का एक प्रतिभाशाली समूह है। खिलाड़ी ट्रेनिंग में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हमने सभी विभागों में सही संतुलन बनाने की कोशिश की है। टीम में ऐसे खिलाड़ी चुने हैं, जो किसी भी परिस्थिति में ढल सकें। ऑस्ट्रेलिया दौरा इस समूह के लिए अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने और बहुमूल्य अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने का एक शानदार मौका होगा।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम

गोलकीपर : निधि, एंगल हर्षा रानी मिंज।
डिफेंडर : मनीषा, ज्योति सिंह (कप्तान), लालथंटलुआंगी, ममिता ओरम, साक्षी शुक्ला, पूजा साहू, नंदिनी।
मिडफील्डर- प्रियंका यादव, साक्षी राणा, खैदेम शिलेमा चानू, रजनी केरकेट्टा, बिनिमा धान, इशिका, सुनेलिता टोप्पो, अनिशा साहू।
फॉरवर्ड : लालरिनपुई, निशा मिंज, पूर्णिमा यादव, सोनम, कनिका सिवाच, सुखवीर कौर।

वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 : लाइल्स ने की उसैन बोल्ट की बराबरी

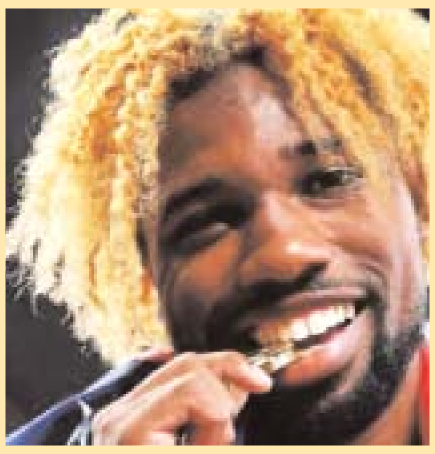

नई दिल्ली, एजेंसी। टोक्यो में आयोजित वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अमेरिकी धावक नोआ लाइल्स ने शुक्रवार को इतिहास रच दिया। उन्होंने 200 मीटर स्पर्धा में शानदार जीत दर्ज करते हुए उसैन बोल्ट के लगातार चार खिताब जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। लाइल्स ने अपना पसंदीदा इवेंट माने जाने वाले 200 मीटर में 19.52 सेकंड का समय निकाला। इससे पहले वह 100 मीटर में कांस्य पदक जीत चुके थे। बोल्ट ने 2009 से 2015 के बीच लगातार चार 200 मीटर खिताब जीते थे और कुल 11 विश्व स्वर्ण तथा आठ ओलंपिक स्वर्ण अपने नाम किए थे। इस फाइनल में लाइल्स के हमवतन केनी बेडनार्क ने 19.58 सेकंड में दौड़ पूरी कर रजत पदक जीता, जबकि जमैका के ब्रायन लेवेल ने 19.64 सेकंड के साथ कांस्य पदक हासिल किया। बोत्सवाना के ओलंपिक चैंपियन लेट्सिले टेबोगो मात्र 0.01 सेकंड से पोडियम से चूककर चौथे स्थान पर रहे।

पाकिस्तान की फिर हुई किरकिरी! भारत के खिलाफ मुकाबले में एंडी पायक्रॉफ्ट ही होंगे मैच रेफरी

दुबई, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले एशिया कप के सुपर-4 मुकाबले के लिए एंडी पायक्रॉफ्ट को मैच रेफरी चुना है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की बार-बार उन्हें हटाने की मांग के बावजूद खेल की वैश्विक संस्था ने पायक्रॉफ्ट को ही यह जिम्मेदारी सौंपी है।

पायक्रॉफ्ट ही होंगे मैच रेफरी, पाकिस्तान ने रद्द की प्रेस वार्ता : समाचार एजेंसी पीटीआई ने टूर्नामेंट के एक सूत्र के हवाले से बताया कि एंडी पायक्रॉफ्ट भारत और पाकिस्तान के मुकाबले के लिए मैच रैफरी हैं। बता दें कि, कल मैच के लिए मैच अधिकारियों की सूची अब भी सार्वजनिक नहीं की गई है। टूर्नामेंट में दूसरे मैच रैफरी वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान रिची रिचर्डसन हैं। इसके अलावा पाकिस्तान ने मैच से पहले होने वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस भी रद्द कर दी है। टूर्नामेंट के एक सूत्र ने कहा, पायक्रॉफ्ट की नियुक्ति और हाथ न मिलाने के विवाद से बचने के लिए पाकिस्तान ने एक बार फिर मैच पूर्व प्रेस कॉन्फ्रेंस रद्द कर दी है।

कहां से शुरू हुआ विवाद: उल्लेखनीय है कि भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में खेले गए मुकाबले के बाद सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व में भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान टीम से हाथ नहीं मिलाया था। ऐसा ही टॉस के दौरान भी हुआ था। भारतीय कप्तान ने पाकिस्तान की अगुवाई कर रहे सलमान आगा से हाथ नहीं मिलाया था। इसके बाद पाकिस्तान ने खूब ड्रामा किया और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट को यूएई के खिलाफ मैच से हटाने के लिए दो मेल किए। हालांकि, खेल की वैश्विक संस्था ने उनकी दोनों मांगे खारिज कर दीं। आईसीसी के जवाब से नाखुश पाकिस्तान ने फिर ड्रामा किया और यूएई से उनका मैच करीब एक घंटे की देरी से शुरू हुआ।

आईसीसी ने खारिज किया पाकिस्तान का दावा : यूएई के खिलाफ मुकाबला शुरू होने के बाद पाकिस्तान ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की और बताया कि पायक्रॉफ्ट ने माफी मांगी है। आईसीसी ने पीसीबी के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि पायक्रॉफ्ट ने खेल भावना का उल्लंघन किया है। आईसीसी ने कहा कि वह केवल एक संदेशवाहक थे जिन्होंने एशियाई क्रिकेट परिषद के नामित स्थल प्रबंधक से मिले संदेश को आगे बढ़ाया। पायक्रॉफ्ट केवल संदेश आगे बढ़ा सकते थे क्योंकि मैच शुरू होने में कुछ ही मिनट बचे थे। बाद में आईसीसी ने पायक्रॉफ्ट और पाकिस्तानी टीम प्रबंधन के बीच एक बैठक आयोजित की जहां रेफरी ने कहा कि उन्हें गलत सूचना के लिए खेद है। इसके बाद आईसीसी ने एक अन्य ईमेल में स्पष्ट किया कि पायक्रॉफ्ट ने कभी भी माफी नहीं मांगी थी बल्कि केवल गलतफहमी पर खेद व्यक्त किया था। आईसीसी ने पीसीबी पर खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों के क्षेत्र (पीएमओए) से संबंधित प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने का भी आरोप लगाया। हालांकि पीसीबी ने इसका खंडन किया।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बने अर्शदीप सिंह

दुबई, एजेंसी। एशिया कप 2025 में शुक्रवार को ओमान के खिलाफ मुकाबले में अर्शदीप सिंह ने बड़ा कीर्तिमान अपने नाम किया। बाएं हाथ के तेज़ गेंदबाज़ अर्शदीप भारत के पहले ऐसे गेंदबाज़ बन गए हैं, जिन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 विकेट पूरे किए। यह उपलब्धि उन्होंने मैच के 20वें ओवर में विनायक शुक्ला को पवेलियन भेजकर हासिल की। अर्शदीप ने 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ साउथैम्पटन में भारत के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था और अपने पहले ही मैच में 2/18 के आंकड़े दर्ज किए थे। इस मैच से पहले अर्शदीप ने भारत के लिए 63 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 99 विकेट चटकाए थे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अमेरिका के खिलाफ 4/9 रहा है। इसी साल जनवरी में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला में उन्होंने बेन डकेट और फिल सॉल्ट को आउट कर भारत का सर्वाधिक विकेट लेने वाला गेंदबाज़ बनने का रिकॉर्ड अपने नाम किया था। गौरतलब है कि अर्शदीप ने एशिया कप में शुक्रवार के मैच से पहले कभी भारत का प्रतिनिधित्व नहीं किया था। टीम इंडिया ने अब तक जसप्रीत बुमराह को ही एकमात्र प्रमुख तेज़ गेंदबाज़ के तौर पर खिलाया था।

सीपीएल 2025: सेंट लूसिया किंग्स पर जीत के साथ फाइनल में त्रिनबागो नाइट राइडर्स

नई दिल्ली, एजेंसी। त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने कैरेबियन प्रीमियर लीग 2025 (सीपीएल) के खिताबी मुकाबले में जगह बना ली है। इस टीम ने शनिवार को सेंट लूसिया किंग्स के खिलाफ क्वालीफायर-2 मुकाबले में 56 रन से जीत दर्ज की। अब 21 सितंबर को खिताबी मुकाबले में गुयाना अमेजन वॉरियर्स का सामना त्रिनबागो नाइट राइडर्स से होगा।

प्रोविडेंस स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी त्रिनबागो नाइट राइडर्स की टीम ने 4 विकेट खोकर 194 रन बनाए।

इस टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। कॉलिन मुनरो महज 6 रन बनाकर पवेलियन लौट गए, जिसके बाद कप्तान निकोलस पूरन ने एलेक्स हेल्स के साथ दूसरे विकेट के लिए 73 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। पूरन 32 गेंदों में 4 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 50 रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद हेल्स ने कीरोन पोलार्ड के साथ तीसरे विकेट के लिए 65 रन जुटाते हुए टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया।

पोलार्ड 26 गेंदों में 35 रन बनाकर आउट हुए, जबकि हेल्स ने 44 गेंदों में 4 छक्कों और 2 चौकों की मदद से नाबाद 58 रन की पारी खेली।

विपक्षी खेमे से खारी पियरे, रोस्टन चेज और अल्जारी जोसेफ ने एक-एक विकेट हासिल किया।

इसके जवाब में सेंट लूसिया किंग्स निर्धारित ओवरों में 8 विकेट खोकर 138 रन ही बना सकी। सलामी जोड़ी ने टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। जॉनसन चार्ल्स और टिम सेफर्ट ने 9 ओवरों में 59 रन जुटाए।

जॉनसन 17 रन बनाकर पवेलियन लौटे। सेफर्ट ने 40 गेंदों में एक छक्के और आठ चौकों की मदद से 57 रन की पारी खेली, जबकि टिम डेविड ने टीम के खाते में 28 रन जोड़े, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

विपक्षी खेमे से उस्मान तारिक ने सर्वाधिक चार विकेट हासिल किए, जबकि सुनील नरेन ने तीन विकेट निकाले। इनके अलावा कीरोन पोलार्ड ने एक विकेट हासिल किया।

अमृत सरोवर से मिल रही आर्थिक उन्नति

करीब 650 महिलाओं को मिला रोजगार

रायपुर। दुर्ग जिले के ग्राम पंचायत बोरिंदा में निर्मित अमृत सरोवर अब सिर्फ जल संरक्षण का साधन नहीं रहा, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के लिए सशक्त आजीविका का केंद्र बन चुका है। इस तालाब के माध्यम से शीतल स्वास्थ्य समूह की 12 महिला सदस्य संगठित होकर मछली पालन कर रही हैं। मनरेगा योजना के अंतर्गत बना यह अमृत सरोवर अब ग्रामीणों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सफल उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। तालाब में अब तक 1,00,000 से अधिक मछलियों (बीज) का संचयन किया गया है और नियमित उचित आहार फीड व बीज की व्यवस्था की जा रही है ताकि उत्पादन बढ़े और मछलियों की सेहत बनी रहे।

शीतल स्वास्थ्य समूह की महिलाएं ने बताया कि यह काम उन्हें नियमित आमदनी देने की संभावनाएँ दिखा रहा है। उनकी योजना अब इस गतिविधि को व्यवसायिक स्तर तक ले जाने की है, जिससे भविष्य में और अधिक लाभ मिल सके। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बजरंग दुबे ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि अमृत सरोवर केवल जल संरक्षण का माध्यम नहीं है, बल्कि महिला सशक्तिकरण और आजीविका संवर्धन का भी एक सशक्त स्रोत बन सकता है। बोरिंदा की महिलाओं ने यह साबित कर दिया है कि यदि सही संसाधन व समर्थन हो, तो ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार की संभावनाएँ बहुत अधिक हैं।

इस तालाब के किनारों पर लगभग 10-15 एकड़ क्षेत्र में किसानों को सिंचाई की सुविधा मिल रही है जिससे खरीफ एवं रबी दोनों में फसल उत्पादन में वृद्धि हुई है। तालाब में 10,000 घन मीटर पानी का भंडारण संभव है। इसके अलावा तालाब के किनारे आम, बरगद, पीपल, नीम, बादाम, अशोक जैसे लगभग 60 पौधे रोपित किए गए हैं, जिससे हरियाली बढ़ी है और पर्यावरण को भी लाभ मिला है। जिले में अब तक कुल 123 अमृत सरोवरों का निर्माण हो चुका है, जिनमें से 65 सरोवरों में महिलाओं द्वारा आजीविका गतिविधियाँ शुरू हुई हैं। प्रत्येक समूह में लगभग 10 10 महिलाएँ सक्रिय हैं, जिससे कुल मिलाकर लगभग 650 महिलाएँ इन तालाबों से मछली पालन के माध्यम से लाभ उठा रही हैं। तालाबों के किनारे मछली सुखाने के लिए चबूतरे बनाए गए हैं, जिससे मछली प्रसंस्करण और विपणन में सुविधा हो रही है। ग्रामवासियों द्वारा किए जा रहे मछली पालन से न केवल स्थानीय लोगों को रोजगार मिल रहा है, बल्कि ग्राम पंचायत की आय में भी वृद्धि हो रही है। यह पहल ग्राम के बेरोजगार युवाओं के लिए एक सकारात्मक उदाहरण बन गई है।

मां से ही संपूर्ण सृष्टि का आधार, प्रसव के दौरान माताओं की मौत सभी के लिए दुख की बात

रायपुर। देश में 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर तक स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का संचालन किया जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्हत छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास विभाग और यूनिसेफ के द्वारा संयुक्त रूप से छत्तीसगढ़ की महतारी, हम सबकी जिम्मेदारी अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान को लेकर शुक्रवार को दो दिवसीय कार्यशाला की शुरूआत की गयी।

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कार्यशाला के पहले दिन उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मां से ही संपूर्ण सृष्टि का आधार होता है। ऐसे में प्रसव के दौरान किसी माता की मौत हम सभी के लिए दुख की बात होती है। उन्होंने कहा कि राज्य गठन के समय छत्तीसगढ़ में मातृ मृत्यु की दर 365 थी जो वर्तमान में घटकर 141 हो चुकी है। इसी तरह से राज्य गठन के वक्त शिशु मृत्यु दर 79 थी जो अब 38 हो चुकी है। श्री जायसवाल ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य सुविधाएं लगातार बढ़ रही हैं और हमारा लक्ष्य है कि आने वाले समय में ये शिशु और मातृ मृत्यु दर शून्य हो जाएं।

स्वास्थ्य मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि स्वस्थ छत्तीसगढ़ से ही स्वस्थ भारत बनेगा और देश को विकसित बनाने में स्वास्थ्य की अहम भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कार्यकर्ता, मितानिन और महिला बाल विकास विभाग की बहनों के संयुक्त प्रयास से आने वाले समय में राज्य के स्वास्थ्य आंकड़ों में सुधार जरूर आएगा।

इस मौके पर आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. प्रियंका शुक्ला ने कहा कि राज्य सरकार ने मातृ स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखते हुए ÷छत्तीसगढ़ की महतारी, हम सबकी जिम्मेदारी नामक विशेष अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान के माध्यम से न केवल माताओं को समय पर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने पर बल दिया जा रहा है, बल्कि राज्य के उन 30 विकासखंडों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है जहाँ मातृ मृत्यु दर सबसे अधिक है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का मानना है कि उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की समय रहते पहचान और उनकी सतत निगरानी आवश्यक है। इसके साथ ही, सुरक्षित संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने और इसकी दिशा में सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने को लेकर सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। गौरतलब है कि राज्य सरकार द्वारा विकसित स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (SOP) का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है और मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति की नियमित समीक्षा और निगरानी की जा रही है। विशेष रूप से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाने, समुदाय को मातृ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने, उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने तथा समुदाय की भागीदारी को सशक्त बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पक्के मकान का सपना हुआ साकार

प्रधानमंत्री आवास योजना ने दी गंगाबाई को नई उम्मीद

रायपुर। पक्का घर का सपना गंगाबाई ने कभी देखा था और उस सपने को पूरा करने के लिए गंगाबाई और उसका परिवार कड़ी मेहनत भी कर रहे थे लेकिन हर बार यह सपना गरीबी की दीवार से टकराकर बिखर जाता था।

गंगाबाई के पास एक एकड़ ज़मीन है जिस पर वह खेती करती हैं, निश्चित आय का कोई दूसरा साधन नहीं है। आर्थिक तंगी ऐसी कि रोज़ की ज़रूरतें पूरी करना ही चुनौती थी, घर बनाना तो दूर की बात थी। बरसात के मौसम में कच्चे घर की छत से टपकता पानी और चारों ओर फैली नमी उनके परिवार को दुख और असुरक्षा में जीने को मजबूर करती थी। लेकिन गंगा बाई की कठिनाई का दौर प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से बदला।

कोण्डागांव के फ़रसगांव ब्लॉक के ग्राम पंचायत जुगानीकलार की रहने वाली गंगाबाई का सपना एक दिन हकीकत में बदल गया, जब उसे पंचायत सचिव और रोजगार सहायक ने बताया कि उनके नाम से आवास स्वीकृत हुआ है। जब वर्ष 2024-25 में गंगाबाई के नाम से आवास स्वीकृत हुआ। इस योजना के तहत गंगाबाई को तीन किस्तों में कुल 1 लाख 20 हजार की राशि प्राप्त हुई।

शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय के निर्माण कार्य का प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा द्वारा निरीक्षण

संग्रहालय के निर्माण कार्य का प्रतिदिन निरीक्षण कर रिपोर्ट देने के दिए गए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। नवा रायपुर में आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के समीप निर्माणाधीन शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का आज प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा द्वारा निरीक्षण किया गया। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही गर्व की बात है कि संग्रहालय का लोकार्पण देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों से राज्योत्सव के समय किया जाना है। अतः इसके निर्माण कार्य में किसी प्रकार की कोताही नहीं होनी चाहिए। संग्रहालय का कार्य किसी भी स्थिति में 30 सितंबर तक पूर्ण हो जाना चाहिए तथा शेष फिनिशिंग कार्य अक्टूबर के पहले हफ्ते में पूरा कर लिया जाए। साथ ही सभी कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ सभी मानकों के अनुरूप होना चाहिए। निरीक्षण के दौरान उनके साथ आयुक्त डॉ. सारांश मित्तर, टीआरटीआई संचालक हिना अनिमेष नेताम, उपायुक्त गायत्री नेताम, निर्माण एजेंसी के अधिकारी, क्यूरेटर, इंजीनियरर्स, आर्ट कलाकार एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने कड़े लहजे में निर्देश दिए कि संग्रहालय में लगने वाली मूर्तियां, कैनवास वर्क, डिजिटल वर्क एवं अन्य सभी लंबित कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा कर लिया जाए अन्यथा संबंधित पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने संग्रहालय में प्रवेश से पूर्ण टिकट काउंटर पर लगे स्कैनिंग कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए एवं अगले निरीक्षण से पूर्व इसके वर्किंग स्थिति में आ जाने के निर्देश दिए। संग्रहालय के प्रवेश द्वार के संबंध में कुछ सुधार करने के निर्देश दिए गए। संग्रहालय के चारों ओर बड़े अक्षरों में संग्रहालय का नाम लिखे जाने के निर्देश दिए गए ताकि दूर से ही संग्रहालय की जानकारी आमजन को मिल सके।

उन्होंने संग्रहालय में अच्छा सेल्फी प्वाइंट बनाने के निर्देश दिए। साथ ही प्रोजेक्शन वर्क को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। गैलरी के निरीक्षण के दौरान उसमें लगने वाली लाइट के संबंध में आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए गए। प्रत्येक गैलरी में बनाई गई जीवंत झांकी के सामने स्कैनर लगाने के निर्देश दिए गए ताकि कोई भी आगतुंक उसे स्कैन करके अपने मोबाइल पर उससे संबंधित जानकारी आसानी से प्राप्त कर सके।

उन्होंने आयुक्त डॉ.सारांश मित्तर एवं संचालक, टीआरटीआई हिना अनिमेष नेताम को संग्रहालय का प्रतिदिन निरीक्षण कर अद्यतन स्थिति से अवगत कराने के निर्देश दिए। किसी भी प्रकार की कोई समस्या हाने पर उन्हें तत्काल इसकी जानकारी दी जाए ताकि अविलंब इसका समाधान किया जा सके। इससे पूर्व आयुक्त डॉ.सारांश मित्तर द्वारा भी निर्माण कार्य में होने वाले विलम्ब एवं फिनिशिंग कार्य की गुणवत्ता को लेकर निर्माण एजेंसी के ठेकेदार एवं क्यूरेटर से नाराजगी व्यक्त की गई एवं इसे शीघ्र सुधारने के निर्देश दिए गए। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने संग्रहालय में डिजीटलीकरण कार्य, दिव्यांगजनों हेतु पृथक पार्किंग व्यवस्था, सॉवेनियर शॉप, गार्डनिंग, वॉटर सप्लाई की स्थिति को मौके पर निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

चिरमिरी में बंदरों का आतंक होगा खत्म

वन विभाग की पहल से अब तक 35 बंदरों को सुरक्षित गुरुघासीदास टाइगर रिज़र्व में छोड़ा गया

मीडिया ऑडीटर, मनेंद्रगढ़ (निप्र)। चिरमिरी क्षेत्र में बंदरों की बढ़ती तादाद लंबे समय से लोगों के लिए परेशानी बनी हुई थी। लोग आए दिन इन बंदरों के आतंक से परेशान रहते थे। कभी ये बंदर घरों में घुस जाते, तो कभी खेतों में नुकसान पहुंचाते थे। कई बार राहगीरों और बच्चों पर हमले की भी शिकायतें आती थीं। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए मनेंद्रगढ़ के डीएफओ मनीष कश्यप ने इसे सुलझाने का निर्णय लिया और विभागीय स्तर पर विशेष अभियान की शुरुआत की। वन विभाग की टीम ने अब तक 35 बंदरों को पकड़कर सुरक्षित रूप से गुरु घासीदास पार्क में छोड़ा है। वहां उनके लिए प्राकृतिक माहौल और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध है।

डीएफओ मनीष कश्यप ने स्पष्ट किया कि इस अभियान को किसी भी वन्य जीव को नुकसान पहुंचाए बिना अंजाम दिया जा रहा है। उनका कहना है

कि वन्य जीव भी प्रकृति का हिस्सा हैं और उनका संरक्षण करना विभाग की जिम्मेदारी है।

स्थानीय लोगों ने कहा कि यह पहली बार है जब वन विभाग ने इतनी बड़ी समस्या पर ठोस कदम उठाया है। उन्होंने डीएफओ मनीष कश्यप और उनकी टीम की तारीफ की, यह कहते हुए कि उनके प्रयास से चिरमिरी में राहत का माहौल है।

वन विभाग का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा, और जल्द ही चिरमिरी को बंदरों की समस्या से पूरी तरह निजात मिलने की उम्मीद है। यह पहल न केवल लोगों की सुविधा के लिए कारगर है, बल्कि पर्यावरण संतुलन और वन्य जीव संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

कलेक्ट्रेट कार्यालय में युक्तधारा पोर्टल के संबंध में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम हुई सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देश और जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम शर्मा के मार्गदर्शन में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत जिला स्तरीय युक्तधारा पोर्टल का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित हुआ। इस प्रशिक्षण में सभी अनुविभागीय अधिकारी ऋश्वस तकनीकी सहायक और विभागीय तकनीकी अमले ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्यों की संतृप्ति को ध्यान में रखते हुए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करना था। युक्तधारा पोर्टल, जिसे ग्रामीण विकास मंत्रालय और इसरो ने संयुक्त रूप से विकसित किया है, एक अत्याधुनिक भू-स्थानिक योजना पोर्टल है। इसका इस्तेमाल मनरेगा, प्रधानमंत्री

आवास योजना (ग्रामीण) और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी योजनाओं में सटीक योजना निर्माण के लिए किया जाता है। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने बताया कि यह पोर्टल ग्राम पंचायत स्तर पर (भौगोलिक सूचना प्रणाली) आधारित योजनाएं तैयार करने में सक्षम है, जिससे विकास कार्यों का वैज्ञानिक और पारदर्शी चयन संभव हो सकेगा। मनरेगा के अनुमेय कार्यों को दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है जिसमें भू-स्थानिक विश्लेषित कार्य और गैर भू-स्थानिक विश्लेषित कार्य शामिल हैं। युक्तधारा पोर्टल रिमोट सेंसिंग और भू-स्थानिक डेटा की मदद से इन कार्यों की पहचान कर स्वचालित सुझाव देता है। इससे योजनाओं का चयन न केवल पारदर्शी होगा बल्कि ग्राम पंचायतों की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप प्राथमिकता भी तय की जा सकेगी। इस प्रशिक्षण में मत्स्य पालन, बागवानी, कृषि, वन, ग्रामीण आजीविका मिशन और इंफ्रास्ट्रक्चर विभाग के साथ राम नरेश, राहुल दास, रोशन कुजुर, विकास कुमार, शशांक पाल, उर्मिला, रागिनी सिंह, तान्या श्रीवास्तव, शैलेन्द्र कुमार पांडेय, राजेश कुमार भगत, अनूप कुमार श्रीवास्तव, महेन्द्र सिंह, दीपक सिंह, चंद्रभूषण एन. पांडेय, प्रतीक कुमार, प्रदीप कुमार, सुमेर सिंह, विवेक आनंद विश्वकर्मा, प्रदीप कुमार सिंह उपस्थित थे ।

समर्था सेवा समिति ने मनाया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 75 वीं जन्मदिवस

मीडिया ऑडीटर, गोदरीपारा (निप्र)। समर्था सेवा समिति के तत्वाधान में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 75 वां जन्म दिवस मनाया गया। इस अवसर पर शासकीय माध्यमिक शाला गोदरीपारा के बच्चों में अध्ययन सामग्री एवं मिष्ठान का वितरण किया गया। बच्चों को प्रधानमंत्री के कार्यकाल की उपलब्धियों के बारे में बताते हुए उनके जीवन के आदर्शों को अपनाने की सीख भी दी गई।

समिति ने गोदरीपारा सांई चौक में प्रधानमंत्री के चित्र पर तिलक लगाकर एवं मिष्ठान वितरण कर उनके जन्मोत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाया। समिति की अध्यक्ष रीता आईच जी ने प्रधानमंत्री द्वारा किए गए कार्यों से उपस्थित सभी जनों को अवगत कराया।

समिति की सचिव कंचन जायसवाल जी ने उन कार्यों का उल्लेख किया, जो कभी असंभव लगते थे, जैसे तीन तलाक, राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा, और धारा 370। समिति के सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया। सभी ने मिलकर जन्म दिवस का गीत गाया और प्रधानमंत्री के दीर्घायु एवं कुशल मंगल की कामना की।

छत्तीसगढ़ के राष्ट्रीय राजमार्ग बन रहे ग्रीन कॉरिडोर

एनएचएआई ने इस साल लगाए 2.71 लाख पौधे

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) जहां एक ओर देश में सड़कों का जाल बिछा रहा है, वहीं दूसरी ओर राजमार्गों के किनारों और डिवाइडर्स पर पौधे लगाकर ग्रीन कॉरिडोर भी तैयार कर रहा है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने एक पेड़ माँ के नाम 2.0% अभियान के तहत इस साल छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे और डिवाइडर्स पर दो लाख 71 हजार से ज्यादा पौधे लगाकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार के साथ-साथ प्राधिकरण उन्हें ग्रीन कॉरिडोर में भी बदल रहा है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' अभियान छत्तीसगढ़ में हरियाली, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की नई दिशा दे रहा है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर दो लाख 71 हजार से अधिक पौधे रोपित होना

इस बात का प्रमाण है कि सड़क निर्माण केवल विकास की आधारशिला नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वायु और हरित जीवन का भी संकल्प है। राष्ट्रीय राजमार्ग से छत्तीसगढ़ में नागरिकों को तरक्की की राह के साथ ही हरियाली की छांव भी मिल रही है। उन्होंने कहा कि ग्रीन कॉरिडोर का यह प्रयास छत्तीसगढ़ को न केवल यातायात सुविधा में बल्कि पर्यावरणीय संतुलन में भी देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करेगा।

उल्लखेनीय है कि छत्तीसगढ़ के राष्ट्रीय राजमार्गों में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के महत्वाकांक्षी एक पेड़ माँ के नाम 2.0% अभियान के अंतर्गत इस साल निर्धारित लक्ष्य से अधिक वृक्षारोपण किया है। रायपुर-विशाखापट्टनम (NH-130CD) परियोजना में सर्वाधिक 97 हजार 145 पौधे लगाए गए हैं। इसके बाद महाराष्ट्र सीमा-दुर्ग-रायपुर-ओडिशा सीमा (NH-53) पर 46 हजार 141 पौधे, चांपा-कोरबा-कटघोरा (NH-149B) मार्ग पर 23 हजार 020 पौधे, बिलासपुर-कटघोरा (NH-130) मार्ग पर 16 हजार 847 पौधे, बिलासपुर-उरगा-पत्थलगांव (NH-13®) मार्ग पर 14 हजार 400 पौधे तथा सिमगा-रायपुर-धमतरी (NH-30) परियोजना में 5406 पौधे रोपे गए हैं।

राष्ट्रीय राजमार्गों के डिवाइडर्स पर मीडियन प्लांटेशन के रूप में पौधे लगाए गए हैं, जबकि किनारों पर एवेन्यू प्लांटेशन के रूप में पौधरोपण किया गया है। इनमें काफी संख्या में बड़े फलदार और छायादार वृक्ष भी शामिल हैं। नए इलाकों में पौधरोपण के साथ ही पिछले वर्षों में क्षतिग्रस्त हुए पौधों को बदलने के लिए 68 हजार 297 जगहों पर रिप्लांटेशन भी किया गया है। इस तरह चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक (15 सितम्बर 2025 तक) कुल दो लाख 71 हजार 253 पौधे राष्ट्रीय राजमार्गों पर लगाए गए हैं।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से ग्रामीण परिवारों को मिल रही बड़ी राहत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और आमजनों के जीवन में आर्थिक मजबूती का आधार बन रही है। इस योजना से प्रदेश के ग्रामीण एवं शहरी दोनों ही उपभोक्ताओं को सीधे तौर पर लाभ मिल रहा है। लोग अब बिजली बिल की चिंता से मुक्त होकर सौर ऊर्जा के माध्यम से स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा का उपयोग कर रहे हैं। इसी क्रम में सक्ती जिला अंतर्गत ग्राम जर्वे के किसान राजकुमार मनहर इस योजना से लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने जून 2025 में अपने घर की छत पर 2 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित कराया। इस पर लगभग 1 लाख 26 हजार रुपये की लागत आई, जिसमें से 60,000 रुपये की सब्सिडी केंद्र सरकार से मिल

चुकी है और 30,000 रुपये की सब्सिडी राज्य सरकार से मिलने की प्रक्रिया में है। मनहर ने बताया कि सोलर पैनल लगने के बाद उनका बिजली बिल पूरी तरह से शून्य हो गया है। पहले उन्हें हर महीने 300 से 400 रुपये तक का बिल देना पड़ता था, लेकिन अब बिजली खर्च की कोई चिंता नहीं रही। उन्होंने इसे किसानों और ग्रामीण परिवारों के लिए एक क्रांतिकारी योजना बताते हुए अन्य उपभोक्ताओं से भी इसका लाभ उठाने की अपील की।

योजना के तहत एक किलोवाट सोलर पैनल पर 30,000 रुपये केंद्र सरकार और 15,000 रुपये राज्य सरकार की सब्सिडी,दो किलोवाट पर 60,000 रुपये केंद्र और 30,000 रुपये राज्य सब्सिडी और तीन किलोवाट पर 78,000 रुपये केंद्र और 30,000 रुपये राज्य सब्सिडी दी जा रही है।

सोलर प्लांट से न केवल घरेलू बिजली जरूरतें पूरी हो रही हैं, बल्कि अतिरिक्त उत्पादन से उपभोक्ता ÷ऊर्जादाता÷ भी बन सकते हैं। पंजीयन के लिए उपभोक्ता ऑनलाइन पोर्टल https://pmsuryaghar.gov.in, पीएम सूर्यघर मोबाइल एप, सीएसपीडीसीएल की वेबसाइट या टोल फ्री नंबर 1912 का उपयोग कर सकते हैं।

इस योजना के चलते प्रदेशभर में ग्रामीण और शहरी परिवार तेजी से सौर ऊर्जा को अपना रहे हैं। इससे पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा आत्मनिर्भरता और आर्थिक बचत ङ्क तीनों ही लक्ष्यों की पूर्ति एक साथ हो रही है। आने वाले समय में यह योजना राज्य को स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की दिशा में अहम भूमिका निभाएगी।

अकिरा तालाब योजना के जीर्णोद्धार एवं मरम्मत कार्य के लिए मिली 255.88 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति

146 हेक्टेयर भूमि पर मिलेगी सिंचाई सुविधा

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा जशपुर जिले के विकासखंड फरसाबहार की अकिरा तालाब योजना के मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य के लिए दो करोड़ पचपन लाख अठासी हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

योजना के पूर्ण होने पर 121 हेक्टेयर की प्रस्तावित सिंचाई क्षमता में कमी की पूर्ति करते हुए अतिरिक्त 25 हेक्टेयर क्षेत्र में भी सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी। इस प्रकार कुल 146 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुनिश्चित होगी, जिससे क्षेत्र के कृषकों को सीधा लाभ मिलेगा। योजना हेतु व्यय का प्रावधान अनुसूचित जनजाति उपयोजना, लेखा शीर्ष 4702 (लघु सिंचाई पर पूंजी परिव्यय) अंतर्गत किया गया है।

निर्माण कार्य स्वीकृत राशि एवं समयावधि में ही पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया गया है। कार्य प्रारंभ करने से पूर्व ड्रॉइंग, डिज़ाइन एवं तकनीकी स्वीकृति सक्षम अधिकारी से प्राप्त करना अनिवार्य होगा। साथ ही निविदा प्रक्रिया पारदर्शी एवं प्रतिस्पर्धात्मक रूप से की जाएगी तथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। भू-अर्जन की स्थिति में व्यय स्वीकृत राशि की सीमा के अंतर्गत ही किया जाएगा तथा अन्य किसी भी मद से राशि का उपयोग बिना पूर्व स्वीकृति नहीं किया जाएगा। कार्य केवल शासकीय अथवा विधिवत अर्जित भूमि पर ही कराया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा